● जयपुर, बुधवार 25 दिसंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 127 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 सवाईमाधोपुर में स्वरोजगार सृजन केंद्र का शुभारंभ...

पेज @4 जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूसी की बैठक...

पेज @8 बाबा साहब के नाम पर कांग्रेस कर रही है झूठ की राजनीति, राहुल ...

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति ने देशवासियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने क्रिसमस के अवसर पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती मुर्मू ने मंगलवार को यहां शुभकामना संदेश में कहा, 'क्रिसमस के शुभ अवसर पर, मैं सभी देशवासियों, विशेषकर ईसाई भाईयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं।' उन्होंने कहा कि प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव पर मनाया जाने वाला क्रिसमस का त्योहार प्रेम और सद्भाव का संदेश देता है। यह उत्सव लोगों को एकता और शांति से रहने की प्रेरणा देता है। विश्व कल्याण और बंधुत्व का उनका संदेश सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। यह पर्व मानवता के कल्याण के लिए दिए गए उनके बलिदान को भी याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा, 'आइए, हम आपसी विश्वास, क्षमा, और भाईचारे के सार्वभौमिक मूल्यों को मजबूत करने का संकल्प लें और समाज तथा देश के विकास में सक्रिय योगदान दें।'

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार, ग्रैप-4 के प्रतिबंध हटे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में सुधार होने के कारण वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण क्ष को रद्द कर दिया है। हालांकि, प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए चरण 1, 2 और 3 के तहत उपाय लागू रहेंगे। इससे पहले 16 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी और उसके आस-पास के क्षेत्रों में ग्रैप के तहत चरण क्ष के प्रतिबंध फिर से लागू किए गए थे। ग्रैप प्रतिबंधों पर बनी उप-समिति के अनुसार आज सुबह से ही दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार सुधर रहा है। शाम 5 बजे यह 364 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में था, जो कि चरण क्ष लागू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई सीमा से 36 अंक कम है।

सुकमा में पुलिस कैंप पर नक्सली हमला, दो जवान घायल

सुकमा/रायपुर। नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा में बीती देर रात पुलिस कैंप पर नक्सलियों की तरफ से की गई फायरिंग में सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के दो कमांडो घायल हो गए हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर है। सीआरपीएफ की 241वीं बटालियन ने गोमगुड़ा के पास चिंतलनार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में यह फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित किया था, जहां नक्सलियों ने हमला कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नक्सलियों की गोलीबारी के बाद सुरक्षाबल के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय कॉल से रहें सावधान, हो सकती है धोखाधड़ी

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने लोगों को सलाह दी है कि अपरिचित अंतरराष्ट्रीय नंबरों से कॉल लेते समय सावधानी बरतें। +91 के अलावा किसी अन्य नंबर (जैसे +8, +85, +65) से आने वाली कॉल धोखाधड़ी से जुड़ी हो सकती है। संचार मंत्रालय का कहना है कि धोखेबाज अब अंतरराष्ट्रीय नंबरों का उपयोग कर रहे हैं। इससे निपटने के लिए 22 अक्टूबर को 'इंटरनेशनल इनकमिंग स्पूफ़्ड कॉल्स प्रिवेंशन सिस्टम' लॉन्च किया गया है। 24 घंटों के अंदर भारतीय फोन नंबरों से की जाने वाली अंतरराष्ट्रीय कॉलों में से लगभग 1.35 करोड़ या 90 प्रतिशत पहचान और ब्लॉक किया गया है।

प्रधानमंत्री ने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों से केंद्रीय बजट पर किया विचार-विमर्श

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नीति आयोग में केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारी को लेकर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और विचारकों के एक समूह के साथ विचार-विमर्श किया। ये बैठक 'वैश्विक अनिश्चितता के समय में भारत की विकास गति को बनाए रखना' विषय पर आयोजित की गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के दौरान अपने संबोधन में वक्ताओं को उनके व्यावहारिक विचारों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानसिकता में मूलभूत परिवर्तन के माध्यम से विकसित भारत

को प्राप्त किया जा सकता है, जिसका ध्यान 2047 तक भारत को विकसित बनाने पर केंद्रित है।

केंद्रीय बजट की तैयारी के लिए आयोजित इस बैठक में प्रतिभागियों ने कई अहम मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इनमें वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान, विशेष तौर पर युवाओं के बीच रोजगार बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने की रणनीतियां बनाने, रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के साथ-साथ शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संरेखित करने की रणनीतियां, कृषि उत्पादकता को बढ़ाना और स्थायी ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए निजी निवेश को आकर्षित करना, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक धन जुटाना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी निवेश को आकर्षित करना शामिल हैं।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों ने भाग लिया, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम, देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन, अर्थशास्त्री डॉ. सुरजीत एस भल्ला, डॉ. अशोक गुलाटी, डॉ. सुदीप्तो मुंडले, धर्मकीर्ति जोशी, जन्मेजय सिन्हा, मदन सबनवीस, प्रो. अमिता बत्रा, रिदम देसाई, प्रो. चेतन घाटे, प्रो. भरत रामास्वामी, डॉ. सौम्य कांति घोष, सिद्धार्थ सान्याल, डॉ. लवीश भंडारी, रजनी सिन्हा, प्रो. केशव दास, डॉ. प्रीतम बनर्जी, राहुल बाजोरिया, निखिल गुप्ता, प्रो. शाश्वत आलोक और डीके जोशी समेत अन्य विशेषज्ञ शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि अगामी केंद्रीय बजट के संदर्भ में आर्थिक विशेषज्ञों के विचार एवं सुझाव जानने के लिए यह बैठक आयोजित की गई थी। दरअसल बजट से पहले हमेशा हर क्षेत्र के विषेषज्ञों की राय ली जाती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण एक फरवरी, 2025 को लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी।

मैदानी इलाकों में बढ़ी ठिठुरन

कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में भारी बर्फबारी, चारों तरफ बिछी बर्फ की चादर

नईदिल्ली/एजेंसी।

देश के पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी हो रही है. जिसके चलते तापमान माइनस से नीचे चला गया है. बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है. जिसके चलते दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में ठिठुरन बढ़ गई गई. जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तराखंड तक बर्फबारी हो रही है. हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों पर भी जमकर हिमताप हो रहा है.

बर्फबारी के चलते पर्यटकों की खुशी का ठिकाना नहीं है. हालांकि कुल्लू-मनाली, रोहतांग और राज्य के ऊपरी इलाकों में हुई बर्फबारी सैलानियों के लिए मुसीबत बन गई है. दरअसल, बर्फबारी के बाद राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है. जिसके चलते सोमवार को मनाली-केलांग मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को अस्थाई रूप से रोकना पड़ा. इस दौरान अटल टनल के रास्ते पर करीब 1000 गाड़ियां फंस गईं. हालांकि, प्रशासन ने तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया और फंसे हुए सैलानियों को निकाल लिया.

उधर उत्तराखंड के ऊंचे पहाड़ों पर भी बर्फबारी हो रही है. राज्य के कई

ऊंचाई वाले इलाकों में पहाड़ों पर बर्फ जम गई है. हालांकि, हिमाचल प्रदेश की तुलना में यहां कम बर्फबारी हुई है, लेकिन औली, उत्तरकाशी, चकराता, बद्रीनाथ, केदारनाथ जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है. उधर केदारनाथ धाम में भी इस सीजन की दूसरी बर्फबारी देखने को मिली. बर्फबारी के चलते यहां चल रहा पुनर्निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है. केदारनाथ धाम में सोमवार से लगातार हिमपात हो रहा है. जहां अब तक एक फीट से ज्यादा बर्फ जम गई है. इस बीच मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है.

उत्तराखंड के औली में भी जमकर बर्फबारी हो रही है. औली की वादियां में चारों तरफ बर्फ की चादर बिछ गई है. जानकारी के मुताबिक, औली में आधा फीट बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है. इस बीच क्रिसमस का जश्न मनाने के लिए भी पर्यटक औली पहुंचने लगे हैं. जहां बर्फबारी का नजारा देखकर सैलानी काफी खुश हैं.

वहीं जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी जारी है. केंद्र शासित राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ की चादर बिछी हुई है. सोमवार को पीर पंजाल और सोनमर्ग में जमकर बर्फबारी हुई. इसी के साथ मौसम विभाग ने कई अन्य इलाकों के लिए भी अलर्ट जारी किया है.

घाटी में दिन और रात का तापमान लगातार गिर रहा है. श्रीनगर में रविवार रात तापमान माइनस 3.6 डिग्री दर्ज किया गया. इस बीच डल झील भी जम गई. जबकि पहलगाम में पारा माइनस 5 डिग्री सेल्सियस हो गया.

अटल जी के प्रति देश-प्रदेश के अनुराग और प्रेम को व्यक्त करते हैं युवा कुंभ जैसे आयोजन : सीएम योगी

लखनऊ/एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा कुंभ जैसे आयोजन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी के प्रति देश-प्रदेश के अनुराग व प्रेम को व्यक्त करते हैं। यहां के जनप्रतिनिधियों ने अटल जी की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए सभी संस्थाओं को एक मंच दिया है। युवा कुंभ उन स्मृतियों को ताजा कर रहा है, जो भारत की सनातन धर्म की परंपरा में कुंभ के आयोजन के साथ जुड़ती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के साथ मंगलवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में अटल युवा महाकुंभ का शुभारंभ किया। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष पर कदम से कदम मिलाकर चलना होगा थीम पर यह आयोजन हुआ। सीएम और रक्षा मंत्री ने बच्चों को दुलारा-पुचकारा और चॉकलेट बांटी। निबंध व भाषण प्रतियोगिता के बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया।

सीएम योगी ने कहा कि कुंभ भारत की पहचान है। सनातन व आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति का समागम है, उस महासमागम का जो दृश्य 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में दिखेगा,

उसकी झांकी आज यहां देखने को मिल रही है। सीएम योगी ने अटल बिहारी वाजपेयी की कविता कदम मिलाकर चलना होगा सुनाई और कहा कि इस युवा कुंभ ने अटल जी की स्मृतियों को ताजा किया है।

उन्होंने कहा कि मैंने सुबह आयोजकों को फोन कर पूछा कि कार्यक्रम होगा, तो बताया गया कि यह युवा ऊर्जा का प्रतीक कार्यक्रम है। कार्यक्रम भव्यता से होगा। वास्तव में, आज मौसम की परवाह किए बिना बच्चों ने अटल जी की स्मृतियों को याद किया है। बुधवार को अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष है और आज उसका शुभारंभ इतनी भव्यता से हो रहा है। सीएम योगी ने प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को बधाई दी। प्रतिभागी बच्चों को शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा कि कदम मिलाकर चलेंगे तो लक्ष्य प्राप्त होगा। इसके साथ ही सीएम योगी ने आयोजन में शामिल सभी संस्थाओं को भी साधुवाद दिया।

डॉ. हरि बाबू कंभमपति बने ओडिशा के राज्यपाल, राष्ट्रपति ने रघुवर दास का इस्तीफा किया स्वीकार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उनकी जगह मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया है। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति ने जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया है। इसके अलावा बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है और केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है । राष्ट्रपति ने अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया है। उपरोक्त नियुक्तियाँ उनके संबंधित कार्यालयों का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होंगी।

'एक देश एक चुनाव' : जेपीसी की पहली बैठक आठ को

एजेंसी

नई दिल्ली। 'एक देश एक चुनाव' से संबंधित दो विधेयकों पर विस्तृत विमर्श के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की पहली बैठक आठ जनवरी को होगी। लोकसभा में पेश होने के बाद 20 दिसंबर को इसे जेपीसी को भेज दिया गया। समिति के 39 सदस्यों में से 27 लोकसभा के तथा 12 राज्यसभा के हैं।

समिति को अगले संसद सत्र के आखिरी सप्ताह के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट देनी है। समिति के अध्यक्ष भाजपा नेता पीपी चौधरी हैं। इसके अन्य सदस्यों में अनुराग सिंह ठाकुर और पुरुषोत्तमभाई रूपाला, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और मनीष तिवारी, टीएमसी के कल्याण बनर्जी, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले और लोकसभा के अन्य सदस्य शामिल हैं। राज्यसभा से समिति में भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी, भुवनेश्वर कलिता और के. लक्ष्मण , कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला और मुकुल बालकृष्ण वासनिक, जदयू के संजय कुमार झा और वाईएसआर कांग्रेस के वी. विजयसाई रेड्डी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

'एक देश एक चुनाव' से जुड़े 129वें संविधान संशोधन विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि एक अवधि के बाद सभी राज्यों की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल छोटा कर एक साथ चुनाव कराए जाएं। केन्द्र और राज्यों में चुनाव के थोड़े समय बाद ही नगर निकायों और पंचायतों के चुनाव कराए जाएं। बहुमत न मिलने और अल्पमत की स्थिति में दोबारा चुनाव कराए जाने पर कार्यकाल केवल बाकी बचे समय के लिए हो।

अधिवेशन बेलगावी में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में तय होगा नए साल का एजेंडा

बाबा साहब आंबेडकर मुद्दे पर भी बनेगी व्यापक रणनीति

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी की अध्यक्षता में आयोजित बेलगावी (कर्नाटक) अधिवेशन की 100वीं वर्षगांठ को कांग्रेस कार्य समिति की विशेष बैठक के साथ मनाने जा रही है। इसमें अगले एक साल के लिए पार्टी की कार्ययोजना तय की जाएगी। पार्टी ने हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब आंबेडकर के 'अपमान' को संबोधित करने की भी योजना बनाई है और कार्रवाई के लिए बेलगावी में रैली करेगी।

यह जानकारी कांग्रेस संगठन प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल और मीडिया विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने आज

● कांग्रेस पार्टी 'नव सत्याग्रह' का लेगी संकल्प, बैठक में करीब 200 कांग्रेस नेता होंगे शामिल

यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी।

वेणुगोपाल ने बताया कि 26 दिसंबर को विस्तारित कांग्रेस कमेटी की एक विशेष बैठक उसी जगह होने जा रही है, जहां ठीक 100 साल पहले महात्मा गांधी अखिल भारतीय राष्ट्रीय कमेटी के अध्यक्ष बने थे। 26 दिसंबर 1924 को सेवा दल की स्थापना भी बेलगावी से ही हुई थी। सेवा दल के पहले अध्यक्ष पं. जवाहर लाल नेहरू बने थे। जब गांधी जी कांग्रेस अध्यक्ष बने तो अपने अंतिम भाषण में उन्होंने कहा कि अब नेहरू हमारे महासचिव होंगे। उन्होंने बताया कि बेलगावी बैठक में करीब 200 कांग्रेस नेता शामिल होंगे। इस बैठक का नाम 'नव सत्याग्रह बैठक' रखा गया है। क्योंकि 100 साल पहले महात्मा गांधी ने बेलगावी से सत्याग्रह का ऐलान किया था। अब वहीं से कांग्रेस पार्टी 'नव सत्याग्रह' का संकल्प लेगी। बैठक में 26 दिसंबर को दो प्रस्ताव पारित किए जाएंगे, जिसमें अगले एक साल के लिए देश के सामने कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम होंगे। पार्टी 27 दिसंबर को बेलगावी में रैली करेगी, जिसका नाम 'जय बापू जय भीम जय संविधान' होगा।

'आंबेडकर सम्मान संकल्प' सप्ताह मना रही कांग्रेस

उन्होंने कहा कि पिछले सात दिन से कांग्रेस पार्टी 'आंबेडकर सम्मान संकल्प' सप्ताह मना रही है। बाबा साहब के अपमान के बारे में देश भर में 100 लोकसभा क्षेत्रों में प्रेस कान्फ्रेंस की गई हैं। आज सारे जिलों में बैठकें हो रही हैं। मार्च निकाले जा रहे हैं और दस्तावेज तैयार हो रहे हैं, जो राष्ट्रपति को दिए जाएंगे। इसमें बताया जाएगा कि 17 दिसंबर को संसद के उच्च सदन में गृहमंत्री अमित शाह ने किस तरह बाबा साहब आंबेडकर का 'अपमान' किया था। उदयपुर कांग्रेस चिंतन शिविर की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा (कन्याकुमारी से कश्मीर तक) का निर्णय वहीं से निकला था। बेलगावी से भी कुछ इसी तरह का निर्णय निकलेगा।

भाजपा वास्तविक मुद्दों से भटकाना चाहती है ध्यान

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा देशवासियों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह मोदी सरकार ने पुराना पार्लियामेंट खत्म कर नया पार्लियामेंट बनाया, उसी तरह अब पुराना संविधान खत्म कर नया संविधान बनाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग जैसी तमाम संवैधानिक संस्थाएं इस सरकार के निशाने पर हैं लेकिन हम उनकी इस मंशा को पूरा नहीं होने देंगे। दिल्ली में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार की विफलता है।

अविश्वास प्रस्ताव पर बोले उपराष्ट्रपति

'मेरा नोटिस जिसने लिखा उसके चाकू पे जंग लगा हुआ था'

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे उनके जैसे लोग हिसाब-किताब बराबर करने की स्थिति में नहीं होते हैं और उन्हें उदात्तता, उत्कृष्ट गुणों और संवैधानिकता के प्रति प्रतिबद्धता से चलना होता है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आज उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में महिला पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की और पहली बार उनके खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, 'चंद्रशेखर जी ने कहा था, सब्जी काटने के चाकू से बाईपास सर्जरी कभी मत करना.. वो तो सब्जी काटने का चाकू भी नहीं था। मेरा नोटिस जिसने लिखा उसके चाकू पे जंग लगा हुआ था! मैं पढ़कर दंग रह गया। पर मुझे आश्चर्य हुआ की आपमें से किसी ने पढ़ा नहीं है।' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता के लिए दो चीजें अपरिहार्य हैं। पहला अभिव्यक्ति का अधिकार और दूसरा संवाद। यदि ये दोनों चीजें नहीं होंगी तो लोकतंत्र पोषित नहीं हो सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने वर्तमान संसदीय चर्चाओं की बात की और पूछा कि क्या हमने पिछले कुछ दशकों में संसद में कोई बड़ी बहस देखी है? क्या आपने सदन में किये गये किसी महान योगदान पर ध्यान दिया है? हम गलत वजह से खबरों में हैं।

भागीरथ, भोज, छत्रसाल की अटल विरासत के संवाहक मोदी

मध्य प्रदेश की पुण्यभूमि, जो अपनी सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक गौरव के लिए प्रसिद्ध है, अब एक और ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने जा रही है। 25 दिसंबर 2024 को मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के खजुराहो में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यानस यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से होगा। यह क्षण न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे भारत के लिए विकास, जल संरक्षण एवं जल समृद्धि की दिशा में एक नया अध्याय लिखने वाला होगा, साथ ही यह भारत की जल क्रांति की नई गाथा लिखने का भी प्रतीक बनेगा। शुभ योग यह है कि परियोजना का भूमिपूजन आधुनिक भारत के स्वप्न द्रष्टा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी की 100वीं जयंती के दिन हो रहा है, जिन्होंने भारत के विकास के लिए अनेक सपने देखे थे, उनमें नदियों को जोड़ना विशेष रूप से शामिल था। उन्होंने इस दिशा में प्रारंभिक कदम भी उठाए थे। प्रधानमंत्री मोदीजी अब स्वप्न द्रष्टा वाजपेयीजी के सपने साकार करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं।

यह परियोजना मोदी के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता, मप्र के प्रति उनके विशेष स्नेह और अटलजी के विचारों के प्रति समर्पण का प्रमाण है, जो मप्र और उप्र के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी। प्राचीन भारतीय पौराणिक कथाओं में गंगा की धरा पर उपस्थिति का श्रेय राजा भागीरथ को दिया जाता है। राजा भागीरथ के तप और साधना से गंगा धरती पर अवतरित हुई, जिसकी उपस्थिति से भारत का भू-भाग समृद्ध हुआ, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी भी आधुनिक भागीरथ हैं। मोदीजी ने भी जल संकट से जूझते भारत के लिए एक नई जल क्रांति की शुरूआत की है। जल संसाधनों को भारत की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा बनाया है। उनके नेतृत्व में जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य और विकास का आधार बन गया है। गुजरात में जब वे मुख्यमंत्री थे, तब उनकी जल नीतियों ने सूखे और जल संकट से जूझते गुजरात को जलसमृद्धि का अनूठा उदाहरण बनाया। गुजरात, जो कभी सूखे और जल संकट का प्रतीक था, आज नर्मदा नदी के जल से आच्छादित है। उनकी दूरदृष्टि और अदम्य साहस ने नर्मदा नदी के जल को सही दिशा में मोड़ते हुए गुजरात की प्यास बुझाई, कृषि क्षेत्र को समृद्ध किया और नर्मदा के जल से साबरमती नदी को भी नया जीवन दिया। यह उनकी नीतियों और इच्छाशक्ति का ही परिणाम है कि गुजरात में जल के अभाव का स्थान जल के सदुपयोग और समृद्धि ने ले लिया। गुजरात में उनका काम जल संकट से जूझ रहे राज्यों के लिए आदर्श बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदीजी ने जल संरक्षण को केवल एक सरकारी नीति तक ही सीमित नहीं रखा। उन्होंने इसे राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बनाया। उनके अनुसार, जल का प्रबंधन एक पुण्य कर्म है, जिसमें वर्तमान की जरूरतें और भविष्य की पीढ़ियों का उत्तरदायित्व दोनों निहित हैं। उनका यह कथन इस सोच को सार्थक रूप देता है कि जल का सवाल केवल संसाधनों का नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व का है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदीजी को आधुनिक राजा भोज कहना न्याय संगत है। राजा भोज ने जल संरक्षण के लिए ऐसी संरचनाएं बनाई, जो सदियों बाद भी जल प्रबंधन की उत्कृष्ट मिसाल बनी हुई हैं। भोपाल का ऐतिहासिक बड़ा तालाब राजा भोज की जल संरक्षण क्षमता का अद्भुत उदाहरण है, जो सदियों बीत जाने के बाद भी लाखों लोगों की प्यास बुझा रहा है। दो नदियों के संगम से बनाए गए इस तालाब ने यह सिद्ध कर दिया है कि जल संरक्षण केवल उस समय की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि उसे पीढ़ियों के लिए उपहार के रूप में संरक्षित किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण भी ऐसा ही है। वे जल संरचनाओं के जनक राजाभोज की परंपरा को आधुनिकता के साथ मानवता के अस्तित्व के लिए आगे बढ़ा रहे हैं। उनका मानना है कि जल का संरक्षण केवल वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा है- जल संचय केवल एक प्रयास नहीं, यह एक पुण्य है। इसमें उदारता और उत्तरदायित्व दोनों निहित हैं। आने वाली पीढ़ियां जब हमारा आकलन करेंगी, तो यह केवल हमारी आर्थिक उपलब्धियों या भौतिक विकास पर आधारित नहीं होगा। उनका पहला प्रश्न यही होगा कि हमने जल के प्रति क्या दृष्टिकोण अपनाया। जल का संरक्षण, प्रबंधन और इसके प्रति हमारी प्रतिबद्धता ही भविष्य में हमारी पहचान बनेगी। यह विचार न केवल जल संरक्षण के महत्व को दशार्ता है इसीलिये उनकी जलनीतियां दीर्घकालिक हैं, जो न केवल वर्तमान समस्याओं का समाधान करती हैं, बल्कि भविष्य के लिए भी टिकाऊ मार्ग प्रस्तुत करती हैं।

मोदीजी के नेतृत्व में शुरू हुए जल शक्ति अभियान और हर घर जल और कैच द रैन जैसे अभियानों ने करोड़ों भारतीयों के जीवन को परिवर्तित कर दिया है। उनकी योजनाएं यह सिद्ध करती हैं कि जल प्रबंधन में उनका दृष्टिकोण कितना प्रभावशाली और स्थायी है। मध्य प्रदेश के प्रति प्रधानमंत्री मोदीजी का विशेष लगाव समय-समय पर उनकी योजनाओं और निर्णयों से स्पष्ट होता है। उन्होंने हमेशा मध्य प्रदेश को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। उनके प्रयासों से राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अब केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना मध्य प्रदेश के विकास में नई ईबारत लिखने जा रही है। केन-बेतवा लिंक परियोजना, जिस भूमि पर बन रही है, वह शौर्य, सम्मान और जनकल्याण के प्रतीक बुंदेलखंड की भूमि है, बुंदेलखंड की पवित्र भूमि ने ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोकहित को सर्वोपरि रखा। राजा छत्रसाल ने अपनी नीतियों और नेतृत्व से बुंदेलखंड के लोगों के कल्याण के लिए जो काम किए, उनकी गूंज आज भी सुनाई देती है। प्रधानमंत्री मोदी जी का नेतृत्व भी राजा छत्रसाल के दृष्टिकोण का आधुनिक संस्करण है। उनकी योजनाएं और प्रयास बुंदेलखंड को जल संकट से उबारने और यहां की सूखी धरती को फिर से हराभरा बनाने के लिए समर्पित हैं।

श्याम बेनेगल का जाना नये सिनेमा का अंत

ललित गर्ग

बालीवुड में समानांतर सिनेमा के जनक, ह्यमंथनह्व से लेकर ह्यवेलडन अब्बाह्व तक जिनके फिल्मी सफर को एक युग कहा जा सकता है, बेहद कलात्मक, बेहद संजीदा, बेहद संवेदनशील, ऐसे बेमिसाल फिल्मकार श्याम बेनेगल का 90 वर्ष की उम्र में जाना अत्यंत दुखद ही नहीं है, एक सार्थक भारतीय सिनेमा एवं गौरवशाली टेलीविजन युग का अंत है। दादा साहब फाल्के के अलावा सात राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित बेनेगल ने हिंदी सिनेमा को नसीरूद्दीन शाह, ओमपुरी, स्मिता पाटिल, अमरीश पुरी, अनंत नगा जैसे प्रख्यात कलाकार दिए। उनकी फिल्मों के साथ भारतीय सिनेमा का एक नया और अविस्मरणीय दौर शुरू हुआ, जिसने भारतीय सिनेमा को एक नई ऊंचाई प्रदान की। पिता के कैमरे से 12 साल की उम्र में पहली फिल्म बनाने वाले बेनेगल ने उस समय अहसास कराया कि भारतीय सिनेमा में एक विराट प्रतिभा मोर्चा संभाल चुकी है, जिसके काम की गूंज उनकी जीवन में ही नहीं, बल्कि भविष्य में लम्बे समय तक देश और दुनिया को सुनाई देगी। जब-जब हमने बहुत ठहरकर, बहुत संजीदगी के साथ उनके काम को देखा तो अनायास ही हमें महसूस हुआ कि वे अपने आप में कितना कुछ समेटे हुए थे, अद्भुत, यादगार एवं विलक्षण। सिनेमा दर्शकों का ऐसे महान फिल्मकार की फिल्मों से अनभिज्ञ रहना इस संसार में रहते हुए भी सूर्य, चन्द्रमा एवं तारों को न देखने जैसा है।

श्याम बेनेगल का जन्म 14 दिसम्बर 1934 को हैदराबाद में हुआ। हैदराबाद की ओसमानिया यूनिवर्सिटी से इकोनोमिक्स में एमए करने के बाद बेनेगल ने आगे जाकर हैदराबाद फिल्म सोसायटी की स्थापना की। उनका संबंध कोंकणी बोलने वाले चित्रपुर सारस्वत परिवार से था। उनका असली नाम श्याम सुंदर बेनेगल था। श्याम बेनेगल की शादी नीरा बेनेगल से हुई थी और उनकी एक बेटी पिया बेनेगल है, जो एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं, जिन्होंने कई फिल्मों के लिए भी काम किया है। श्याम ने बचपन में ही अपने फोटोग्राफर पिता श्रीधर बी. बेनेगल के कैमरे से पहली फिल्म शूट की थी। 1962 में उन्होंने पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म ह्यघर बैठा गंगाह्व बनाई, जो गुजराती में थी। बेनेगल को भारत सरकार द्वारा 1976 में पद्मश्री और 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी सफल फिल्मों में मंथन, जुबैदा और सरदारी बेगम शामिल हैं। जिनमें जीवन के कठोर यथार्थ को बेनेगल ने सिनेमा-शिल्प में, महीन अर्थवत्ता के साथ नाटकीयता के धनीभूत आशयों में अभिव्यक्ति दी, प्रस्तुति दी है। उनकी फिल्मों में एक ऐसी सार्वजनीनता है, जो धनी-निर्धन, शिक्षित-अशिक्षित, देशी-विदेशी सभी को बहुत भीतर तक स्पर्श करती रही है।

श्याम बेनेगल की आखिरी फिल्म ह्यमुजीबः द मेकिंग ऑफ ए नेशनह्व थी, जिसका उन्होंने निर्देशन किया था। इस फिल्म ने भारत ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश में भी सुर्खियां बटोरीं। यह फिल्म बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान पर आधारित थी, जो बांग्लादेश के

राष्ट्रपति भी थे। उनकी जिंदगी पर बनी फिल्म ने बांग्लादेश में 2024 में तख्तापलट करवा दिया था और शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा था। यह फिल्म दिखाती है कि मुजीबुर्रहमान के राजनीतिक सफर की शुरूआत कैसे हुई थी, उन्होंने किस तरह बांग्लादेश की स्वाधीनता के लिए काम किया। इस फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और बांग्लादेश फिल्म विकास निगम ने मिलकर बनाया था। यह फिल्म जहां एक राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को प्रस्तुति दी, वहीं दो राष्ट्रों के आपसी संबंधों को भी गहराई से उजागर किया। इस फिल्म को बंगाली के साथ-साथ हिन्दी भाषा में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म का एलान करते हुए बेनेगल ने बताया था कि शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन को पर्दे पर उतारना उनके लिए एक कठिन काम रहा है। उन्होंने कहा था, यह फिल्म मेरे लिए एक बहुत ही भावनात्मक फिल्म है। मुजीब के किरदार को बेबाकी से पेश किया है, वे भारत के बहुत अच्छे दोस्त रहे। उनकी यह फिल्म ही नहीं, बल्कि हर फिल्म ने एक इतिहास निर्मित किया। क्योंकि यह उनकी ही प्रतिभा थी कि वे लगातार काम करने की रणनीतियों में बदलाव लाते रहे और फिल्म-निर्माण को एक विराट फलक तक ले जाते रहे। भारतीय सिनेमा के लगभग सौ साला इतिहास में बेनेगल एक बड़े वटवृक्ष की भांति दिखाई देते हैं।

भारतीय सिनेमा को विश्व में नई और अद्वितीय पहचान दिलाने में बेनेगल का अविस्मरणीय योगदान था। बेनेगल की पहली चार फीचर फिल्मों- अंकुर (1973), निशांत (1975), मंथन (1976) और भूमिका (1977)- ने उन्हें उस दौर की नई लहर फिल्म आंदोलन का अग्रणी बना दिया। बेनेगल की मुस्लिम महिला पर आधारित फिल्में मम्मो (1994), सरदारी बेगम (1996) और जुबैदा (2001) सभी ने हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते। 1959 में, उन्होंने मुंबई स्थित विज्ञापन एजेंसी लिंटास एडवरटाइजिंग में कॉपीराइटर के रूप में काम करना शुरू किया, जहाँ वे धीरे-धीरे क्रिएटिव हेड बन गए। 1963 में एक अन्य विज्ञापन एजेंसी के साथ कुछ समय तक काम किया। इन वर्षों के दौरान, उन्होंने 900 से अधिक प्रायोजित वृत्तचित्र और विज्ञापन फिल्मों का निर्देशन किया। 1966 और 1973 के बीच बेनेगल ने पुणे स्थित भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में पढ़ाया और दो बार संस्थान के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनके शुरूआती वृत्तचित्रों में से एक ह्यए चाइल्ड ऑफ द स्ट्रीट्सह्व (1967) ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई। कुल मिलाकर, उन्होंने 70 से अधिक वृत्तचित्र और लघु फिल्में बनाई हैं।

बेनेगल ने 1992 में धर्मवीर भारती के एक उपन्यास पर आधारित सूरज का सातवां घोड़ा फिल्म बनाई, जिसने 1993 में हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। 1996 में उन्होंने फातिमा मीर की ह्यद अप्रेंटिसशिप ऑफ ए महात्माह्व पर आधारित पुस्तक द मेकिंग ऑफ द महात्मा पर आधारित एक और फिल्म बनाई। उनके जीवनी सामग्री की ओर इस मोड़ के परिणामस्वरूप नेताजी सुभाष चंद्र बोसः द फॉरगॉटन हीरो, उनकी 2005 में अंग्रेजी भाषा की फिल्म बनी। उन्होंने समर (1999) में बनी फिल्म में भारतीय जाति व्यवस्था की आलोचना की, जिसने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। बेनेगल की फिल्म मंडी (1983), राजनीति और वेश्यावृत्ति के बारे में एक व्यंग्यपूर्ण कॉमेडी थी, जिसमें शबाना आजमी और स्मिता पाटिल ने अभिनय किया था। बाद में, 1960 के दशक की शुरूआत में गोवा में पुर्तगालियों के अंतिम दिनों पर आधारित अपनी कहानी पर काम करते हुए, श्याम ने त्रिकाल (1985) में मानवीय रिश्तों की खोज की। इन फिल्मों की सफलता के बाद, बेनेगल को स्टार शशि कपूर का समर्थन मिला, जिनके लिए उन्होंने जुनून (1978) और कलयुग (1981) बनाई। पहली फिल्म 1857 के भारतीय विद्रोह के अशांत काल के बीच की एक अंतरजातीय प्रेम कहानी थी, जबकि दूसरी महाभारत पर आधारित थी और यह बड़ी हिट नहीं थी, हालांकि दोनों ने क्रमशः 1980 और 1982 में फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार जीते। हजारों अविस्मरणीय किरदार और जिंदगी की असंख्य सच्चाइयों को खोलती उनकी फिल्में भारतीय सिनेमा की एक अमूल्य धरोहर है। एक समय ऐसा आया जब बेनेगल की फिल्मों को उचित रिलीज नहीं मिली। इसके चलते हुए उन्होंने टीवी की ओर रुख किया जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए यात्रा (1986) जैसे धारावाहिकों का निर्देशन किया और भारतीय टेलीविजन पर किए गए सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक, जवाहरलाल नेहरू की पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया पर आधारित 53-एपिसोड का टेलीविजन धारावाहिक ह्यभारत एक खोजह्व (1988) का निर्देशन किया। इसी तरह टीवी सीरीयल ह्यसंविधानह्व,ह्यकहता है जोकरह्व एवं ह्यकथा सागरह्वका निर्देशन भी किया। इससे उन्हें एक अतिरिक्त लाभ हुआ, क्योंकि वे 1980 के दशक के अंत में धन की कमी के कारण नया सिनेमा आंदोलन के पतन से बचने में कामयाब रहे, जिसके साथ कई नव-यथार्थवादी फिल्म का निमार्ता खो गया। बेनेगल ने अगले दो दशकों तक फिल्में बनाना जारी रखा।

श्याम बेनेगल की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षो को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार है, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। बेनेगल का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। भारतीय सिनेमा दिग्दर्शन के इस विशिष्ट हस्ताक्षर श्याम बेनेगल के निधन से निश्चित ही एक सर्जनशील कलासाधक एवं सच्चाई को रूपहले पर्दे पर उतारने वाले सफल एवं सार्थक फिल्मकार का अंत हो गया।

आधुनिक भारतीय संरचना के शंकराचार्य अटल जी

मनीष शुक्ला

दृष्टि अटल पर, वोट कमल पर, राजतिलक की करो तैयारी आ रहे हैं अटल बिहारी भाजपा की तीन धरोहर, अटल, आडवाणी, मुरली मनोहर - देश के नारे बदलते गए लेकिन अपने नाम के मुताबिक अटलजी अडिग रहे। जब देश में राजनैतिक तूफान चरम पर था तब भी अटल बिहारी वाजपेयी किसी पतवार की तरह राष्ट्र के दिशा सूचक बने रहे। उनकी सोच में व्यापकता थी और समझ समावेशी थी। यही वजह रही कि उनकी अगुवाई में गठबंधन की सरकार पहली बार पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा कर सकी। उनका विराट व्यक्तित्व वट वृक्ष के समान था जिसकी छांव में उनके राजनैतिक विरोधी भी आनंद का अनुभव करते थे। उनके स्वभाव में अभाव नहीं था इसीलिए उन्होंने जब भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व किया तो राष्ट्रीय पार्टी के रूप में देश के कोने-कोने तक पहचान दिलाई। जब उन्होंने देश की बागडोर संभाली तो विकासशील से विकसित भारत बनाने का संकल्प किया। भारत रत्न अटल जी जब प्रधानमंत्री बने तो दुनिया इक्कीसवीं सदी में कदम रख रही थी। मानो उन्होंने तभी ठान लिया कि नई सदी में संसार के सामने एक नया सितारा उदित होगा जिसकी शस्य श्यामला धरती होगी। अटल जी अद्भुत शिल्पी थे। वो अस्थिरता को स्थिरता में बदल देते थे। वो आदि शंकराचार्य की परंपरा के आधुनिक संत थे। जिस प्रकार जगदगुरु जानते थे कि एक राष्ट्र को बांधने के लिए चारों दिशाओं में शक्ति के केंद्र होने चाहिए, उसी प्रकार अटल जी भी मानते थे कि अर्थव्यवस्था के चारों स्तंभों को एक सूत्र में बांधने से एक नए अर्थतंत्र की स्थापना हो जाएगी जिससे सदियों-सदियों तक देश को प्राणशक्ति मिलती रहेगी। वो दिल्ली से हिंदुस्तान नहीं देखते थे बल्कि सुदूर सीमाओं से राजधानी तक पहुंचने में विश्वास करते थे। इसीलिए उन्होंने देश के सबसे लंबे हाईवे प्रोजेक्ट ह्यस्वर्णिम चतुर्भुजह्व की शुरूआत की। जिससे चारों महानगरों दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को आपस में जुड़ सके। इस परियोजना को अमेरिकी राष्ट्रीय राजमार्ग प्रणाली की तरह बनाया गया। करीब 5800 किलोमीटर की दूरी तय करने वाला ये देश का सबसे बड़ा और दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। जिसने सीमेंट और स्टील की मांग में नई जान फूंक दी। जिससे वाणिज्य और रियल स्टेट क्षेत्र को भी नया जीवन मिला। वाजपेयी जी जानते थे कि किसी भी अर्थव्यवस्था का दिल सड़कों से ही धड़कता है जो उसकी शिराओं का काम करती हैं। उन्होंने देश के बुनियादी ढांचे को ठोस बनाने के लिए कार्यदल का गठन किया था। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के जरिए उन्होंने हर मौसम में हर गांव तक पहुंच बनाने की अनूठी पहल की। जिससे ना केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक क्रांति के द्वार खोल दिए। जिससे छोटे और सीमांत किसान के पास बाजार स्वयं उठकर पहुंच गया। इससे पहले जिन किसानों के पास उपज को संग्रह करने की क्षमता नहीं थी उन्हें स्थानीय मंडियों में ही कम दामों में बेचना पड़ता था। खेतिहर मजदूरों को गांव के बाहर निकलने और बेहतर मजदूरी पाने की सुविधा मिली। इस सड़क परियोजना से ग्रामीण प्रतिभाओं के विश्व मंच तक पहुंचने का रास्ता भी साफ हो गया। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में भारत सरकार ने 3 मार्च 1999 को नई दूरसंचार नीति की घोषणा की। जिससे यह निजी क्षेत्र के लिए खुल गया। जिससे देश भर के टेलीफोन बूथ के कतार लगाए खड़े भारतीयों के हाथ में मोबाइल फोन आ गया और आज हम विश्व में 5जी में सबसे आगे हैं तो उसकी नींव अटल जी के समय में ही पड़ी थी, जिसे तेजी से आगे बढ़ाने के काम नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं।। कारोबार और उद्योग चलाने के लिए सरकार की भूमिका को कम करने के लिए ऐसा करना आवश्यक था और इससे जड़ हो चुके और मंद पड़े टेलीकॉम सेक्टर को नई प्राणवायु मिली। ये अटलजी की ही नीति थी जिसने स्मार्टफोन की दुनिया में भारत को दूसरा सबसे बड़ा बाजार बना दिया। जो आने वाले समय में चीन को पछाड़ कर नंबन वन मार्केट बनने की क्षमता रखता है। नई दूरसंचार नीति से सरकारी स्वामित्ववाली कंपनियों का एकाधिकार खत्म हो गया और इस क्षेत्र में नई क्रांति लानेवाली निजी कंपनियों के आगे आने का मार्ग प्रशस्त हो गया। प्राइवेट कंपनियों की आपसी प्रतिस्पर्धा की वजह से टैरिफ में भारी गिरावट आई और मिलनेवाली सुविधाओं की गुणवत्ता में भी क्रांतिकारी सुधार आया। आज के डिजिटल इंडिया की नींव पहला पत्थर वाजपेयीजी ने ही रखा था। अटलजी मन से उदार थे लेकिन सरकारी खर्च को लेकर उतने ही सजग भी थे। उनके उल्लेखनीय निर्णयों में से एक 2003 के राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम की शुरूआत थी। जिसका उद्देश्य सरकारी खर्चों में अनुशासन और राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखना था। इससे पब्लिक सेक्टर सेविंग्स वित्त वर्ष 2000 में जीडीपी का 0.8 प्रतिशत थी वो साल 2005 में बढ़कर जीडीपी का 2.3 फीसदी हो गया। इस कानून की वजह से खर्च और घाटे के नियम सख्ती से लागू किए गए। इसके अलावा उनकी सरकार ने बचत के दूसरे भी तरीके अपनाए जिससे राजकोषीय घाटे में और कमी आई। फिसकल डेफिसिट का कम होना बेहतर इकोनॉमी के संकेत देता है। उनकी सरकार ने औद्योगिक उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विशेष निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्रों, सूचना और प्रौद्योगिकी और औद्योगिक पार्कों की स्थापना शुरू की जिसपर बड़ी शान से आज का मेक इन इंडिया स्थापित है। भारतीय इकोनॉमी के पैरों को सरकारी सुस्ती ने जकड़ रखा था। उसी तरह सरकारी कंपनियों की वजह से बाजार का बहुत बड़ा हिस्सा खुल नहीं पा रहा था। बतौर प्रधानमंत्री अटलजी ने निजीकरण और विनिवेश पर बल दिया।

वो देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे जिनके पास सबसे अलग विनिवेश मंत्रालय भी था। उन्होंने रणनीतिक बिक्री के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण का साहसिक फैसला किया। उनके ही कार्यकाल में भारत एलमुनियम कंपनी लिमिटेड, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड और विदेश संचार निगम लिमिटेड जैसी कंपनियो का विनिवेश किया गया। उन्होंने बीमा कंपनियों में विदेशी निवेश की सीमा को 26 प्रतिशत बढा दिया था। उनकी दूरदर्शिता की वजह से ही आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है।ायी सरकार ने ही ब्याज दरों को कम करने का राजनैतिक रूप से कठिन निर्णय लिया। वो एसेट रिकंसट्रक्शन कंपनियों को लेकर आए जो बैंकों को उनके खराब ऋणों से निपटने के लिए पहला कदम था। जिसके कारण लाखों लोगों का 'अपना घर' का सपना साकार हो सका।

महामना मदन मोहन मालवीय : वामन से विराट की यात्रा

प्रमोद दीक्षित मलय

किसी व्यक्ति के समाज जीवन में किया गया एक समाजोपयोगी राष्ट्रीय कार्य उसे न केवल वैश्विक पहचान देता है बल्कि उसका व्यक्तित्व भी वामन से विराट बना देता है। व्यष्टिगत सुख, सुविधा एवं संतुष्टि से ऊपर लोकसृष्टि एवं समष्टि के कल्याण की वरीयता, हित-कामना एवं योगक्षेम की चिंता उसे महामानव बना देती है। संसार के प्राचीनतम शैक्षिक एवं सांस्कृतिक नगर काशी में अविस्थित शिक्षा का महान केन्द्र काशी हिंदू विश्वविद्यालय न केवल अपनी शोध एवं शैक्षिक उपलब्धियों का स्वर्णिम आलोक बिखेर रहा है बल्कि एक महनीय व्यक्तित्व के दूरदर्शी स्वप्न, संघर्ष एवं संकल्प सिद्धि की यश पताका भी जग सम्मुख फहरा रहा है, जिन्हें विश्व महामना मदन मोहन मालवीय के नाम से जानता और अपना श्रद्धा-नीर निवेदित करता है। जिन्हें महात्मा गांधी ने अपना बड़ा भाई कहा और महामना कहकर पुकारा। हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी में पारंगत मालवीय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के चार बार अध्यक्ष चुने गये और दूसरे गोलमेज सम्मेलन 1931 में भारत का प्रतिनिधित्व कर अपने तर्क, मेधा एवं तथ्यपरक वैदुष्यपूर्ण वक्तव्य से लंदन में धाक जमा दी। उनके बहुआयामी व्यक्तित्व में शिक्षाविद, संपादक, प्रखर अधिवक्ता, समाज सुधारक, कुशल संगठक और हिंदी भाषा का प्रबल पक्षधर छवि दिखाई देती है।

ब्राह्मण मदन मोहन मालवीय के पूर्वज मालवा से आजीविका हेतु प्रयाग में आ बसे थे, इसी कारण इन्हें मालवीय कहा जाने लगा जो कोई जातिनाम न होकर क्षेत्र विशेष की पहचान ही थी। यहीं 1861 में 25 दिसम्बर को पिता ब्रजनाथ और माता मीना देवी के पुत्र के रूप में बालक मदन मोहन का जन्म हुआ। पिता श्रीमद्भागवत कथा वाचन करते थे और चाहते थे कि मदन मोहन भी इस परम्परा को आगे बढ़ाये। तो शुरूआती शिक्षा घर में ही पिता की देखरेख हुई जिसमें बालक ने संस्कृत की आरम्भिक समझ विकसित की और कुछ श्लोक एवं चौपाईयां कंठस्थ कर लीं। साथ ही पूजन की कार्य पद्धति भी सीखने लगे। आगे की शिक्षा के लिए एक धार्मिक विद्यालय जाना हुआ। फिर प्रयाग के प्रसिद्ध म्योर सेंट्रल कालेज में प्रवेश लिया और 1879 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण किया। इसी मध्य 1978 में आपका विवाह भी सम्पन्न हुआ। छात्रवृत्ति पाकर आगे की शिक्षा के लिए कलकत्ता विश्वविद्यालय पहुंचे और 1884 में बी.ए. उपाधि प्राप्त कर लौटते ही इलाहाबाद में 40 रुपये मासिक मानदेय पर शिक्षक के रूप में काम प्रारम्भ किया। एम.ए. करने की आकांक्षा पर अथार्भाव पथ का कंटक बना। इसी बीच देश में एक बड़ी राजनीतिक गतिविधि के रूप अंग्रेज कलेक्टर ए.ओ.ह्यूम ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की जिसके 1886 में कलकत्ता में दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में आयोजित दूसरे अधिवेशन में 25 वर्षीय मदन मोहन मालवीय ने न

केवल सहभागिता की बल्कि अपने धारदार ओजस्वी भाषण से सबको अपना प्रशंसक बना लिया। अधिवेशन में चतुर्दिक मालवीय का गुणगान हो रहा था। तभी राजा रामपाल सिंह के अपने साप्ताहिक पत्र 'हिन्दुस्तान' के संपादन दायित्व संभालने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लगभग तीस महीने तक संपादक के रूप में काम कर लेखनी का जादू बिखेरा। तत्पश्चात विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त कर 1891 में जिला न्यायालय में वकालत शुरू किया और प्रगति करते हुए 1893 में उच्च न्यायालय इलाहाबाद में केस लड़ने लगे। यह पेशे के प्रति समर्पण एवं लगन ही थी कि जल्दी ही आपका नाम मोतीलाल नेहरू और सर सुदर लाल जैसे नामचीन वकीलों की पंक्ति में शुमार होने लगा।

मालवीय जी सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय थे। आपका सम्बंध समाज के प्रत्येक वर्ग से बन रहा था तो वहीं अंग्रेजों की शोषणकारी नीति को भी आप समझ रहे थे। आपके अनुभव में आया कि समाज में जागरूकता का नितांत अभाव है। किसान, मजदूर, महिलाएं कष्ट का जीवन जी रहे हैं। देश के संसाधनों का उपयोग ब्रिटेन के विकास में हो रहा है। भारतीय समाज पीड़ित है, बंटा हुआ है। आप व्यक्ति के विकास में शिक्षा को महत्वपूर्ण कारक मानते थे। शिक्षा जागरूकता से ही सम्भव थी, इसके लिए आपने इलाहाबाद से 1909 में साप्ताहिक अखबार ह्यद लीडरह्व का प्रकाशन शुरू किया। आगे जिसका हिंदी संस्करण भी निकलने लगा। 1910 में पत्रिका ह्यमयार्दाह्व भी प्रकाश में आई। एक कांग्रेसी नेता के रूप में देश भर में प्रवास करने के कारण वकालत के लिए समय कम पड़ने लगा।

फलतः 1911 में वकालत छोड़ दी। इसी बीच 1903 से 1920 तक आप प्राविंशियल लेजिस्लेटिव कौंसिल के सदस्य रहे। इसके पहले इलाहाबाद नगर पालिका के बोर्ड में भी आपने बहुत समय तक सदस्य के रूप काम किया। कांग्रेस के 1915 के बनारस अधिवेशन में आपने हिंदू विश्वविद्यालय खोलने का प्रस्ताव रखा जिसे स्वीकार किया गया। और तब 4 फरवरी 1916 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना हुई जो अन्तेवासी शिक्षा का आज एशिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। आप 1919 से 1939 तक विश्वविद्यालय के कुलपति रहे। कुलपति रहते हुए आप सदा छात्रों के हित में काम किये और छात्रों पर अर्थदंड को अनुमति नहीं दी। इसी बीच दिल्ली से प्रकाशित 'हिन्दुस्तान टाइम्स' भंवर में फंस बंद होने की कगार पर पहुंच गया, जिसे आपने उद्योगपतियों एवं अन्य सक्षम समर्थ मित्रों से आर्थिक मदद दिलाकर संकट से उबारा और 1924 से 1946 तक इसके चेयरमैन रहे। 1928 में लाला लाजपत राय के साथ मिलकर साईमन कमीशन का उग्र विरोध किया और अंग्रेजों की लाठियां खाईं। 1937 में राजनीति से मोह भंग हुआ तो संन्यास लेकर शिक्षा के प्रचार-प्रसार में प्राणपण से जुट गये। आप विधवा विवाह के हिमायती थे लेकिन बाल विवाह के सख्त विरोधी। महिला शिक्षा एवं स्वावलम्बन पर समाज में चेतना जगाने का काम किया। हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखते थे। यह उनके सतत प्रयासों का ही परिणाम था कि अदालतों में अरबी, फारसी एवं अंग्रेजी के साथ हिंदी को प्रयोग करने का फरमान 1900 में गवर्नर को करना पड़ा। काशी नागरी प्रचारिणी सभा उनकी ही देन है। हिन्दी भाषा, साहित्य एवं देवनागरी लिपि को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1910 में हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग की स्थापना कर पहले अध्यक्ष बने। उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी ने 1917 के इंदौर सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करने की मार्मिक अपील की थी।

काल से परे कोई नहीं है। जो जन्मता है उसका मरण भी निश्चित है। अनथक परिश्रम से क्लांत महामना मालवीय की देह 12 नवम्बर, 1946 को निष्प्राण हो गई। पूरा देश शोक में डूब गया। यह केवल एक मानव का जाना नहीं था बल्कि एक शैक्षिक मशाल का बुझ जाना था जो लोक का अहर्निश पथ प्रकाशित कर रही थी। 1961 में सरकार ने उनकी स्मृति में 15 नये पैसे का एक डाक टिकट जारी किया। 1991 में जारी एक रुपये के डाक टिकट में मालवीय जी की छवि के साथ पार्श्व में विश्वविद्यालय का चित्र अंकित है। वहीं 125वीं जन्म जयंती के अवसर पर 2011में पांच रुपये का सिक्का लोकार्पित किया गया। महामना मालवीय जी के विचार हमें प्रेरित करते रहेंगे और उनकी कृति बीएचयू उनकी कीति-गाथा गाता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत समिति बापिणी में प्रशासन गांवों की ओर अभियान का हुआ आयोजन

● में 316 परिवादो का निस्तारण, 73 व्यक्तियों की पेंशन स्वीकृत एवं 19 मूल निवास जारी।

चमकता राजस्थान। फलोदी। जिले में केन्द्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन से सुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुशासन सप्ताह के तहत आमजन की परिवेदनाओं का निराकरण किया जा रहा हैं। जिसके तहत मंगलवार को पंचायत समिति बापिणी मुख्यालय पर शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न विभागो की भागीदारी से राजस्थान सम्पर्क पर 54 शिकायतो/परिवादो का निस्तारण किया गया तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत 73 व्यक्तियों की पेंशन स्वीकृति एवं सत्यापन किए गए । साथ ही 19 मूल निवास प्रमाण पत्र जारी किये गये। खाद्यान्न आपूर्ति विभाग द्वारा 42 राशन कार्ड में आधार सिडिंग की गई। पंचायती राज विभाग द्वारा 16 जन्म प्रमाण पत्र एवं 5 मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये गये। राजस्व विभाग से 55 जमा बंदी प्रतिलिपि , 28 नामांतरण एवं 4 पीएम किसान निधि से लोगों को लाभान्वित किया। कृषि विभाग , पशुपालन विभाग , सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं में आमजन को लाभान्वित किया गया। शिविर के दौरान शिविर प्रभारी तहसीलदार अशोक कुमार , सह प्रभारी विकास अधिकारी नारायण सुथार , प्रधान बस्तीराम पंवार, मतोड़ा नायब तहसीलदार भोपत सिंह , सहायक विकास अधिकारी शेरा राम भाटिया सहित विभिन्न विभागो के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

जियो पेमेंट्स बैंक में खाता खोलें और पाएं 5,000 रुपए के गिफ्ट वाउचर्स

चमकता राजस्थान। मुंबई। दिसंबर के त्योहारी सीजन में जियो पेमेंट्स बैंक अपने नए ग्राहकों के लिए खास ऑफर लेकर आया है। 25 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2024 के बीच बचत खाता खोलने वाले ग्राहकों को 5000 रुपए तक के गिफ्ट वाउचर्स दिए जाएंगे। यह गिफ्ट वाउचर्स मैक डॉनल्ड्स, इज माई ट्रिप, मैक्स फैशन जैसे बड़े ब्रांडों के होंगे।

जियो पेमेंट्स बैंक एक डिजिटल बैंक है, जो केवल पांच मिनट में खाता खोलने की सुविधा प्रदान करता है। इसमें बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और रुपे प्लैटिनम डेबिट कार्ड जैसी सेवाएं भी शामिल हैं। जियो पेमेंट्स बैंक का लक्ष्य अपनी सुविधाओं और ऑफर्स के जरिए नए ग्राहकों को आकर्षित करना है।

विधानसभा अध्यक्ष पहुँचे देवासी के निवास पर, देवासी की माता के निधन पर जताया दुःख

चमकता राजस्थान। जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को राज्यमंत्री ओटाराम देवासी के जयपुर स्थित निवास स्थान पर पहुँच कर उनकी माता श्रीमती दौलीबाई के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया।

देवनानी ने देवासी और अन्य परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की। देवनानी ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजन को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की।

सवाईमाधोपुर में स्वरोजगार सृजन केंद्र का शुभारंभ

युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम

चमकता राजस्थान

सवाई माधोपुर। सवाई माधोपुर में प्योर इंडिया ट्रस्ट के द्वारा शहीद कैप्टन रिपुदमन सिंह राजकीय महाविद्यालय, सवाईमाधोपुर में स्वरोजगार सृजन केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया। यह केंद्र सिडबी स्वावलंबन फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित ₹बनो उद्यमी₹ कार्यक्रम के तहत स्थापित किया गया है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना और उनकी उद्यमशीलता क्षमता को बढ़ाना है।

कार्यक्रम के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई, ताकि स्वरोजगार की राह को सरल और सुलभ बनाया जा सके। इस दौरान 'बनो उद्यमी - 51 बिजनेस आइडिया' पोस्टर प्रदर्शनी का विमोचन किया गया, साथ ही स्वरोजगार से जुड़ी पुस्तकों का वितरण भी किया गया। यह प्रदर्शनी और पुस्तकें नए व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित होंगी।

प्योर इंडिया ट्रस्ट ने अब तक देशभर में 4600 से अधिक महिला उद्यमियों को सफलतापूर्वक व्यवसाय शुरू करने में मदद की है, सवाईमाधोपुर में 100 से अधिक महिला उद्यमी सक्रिय रूप से अपने व्यवसाय चला रही हैं, जो इस पहल की सफलता का जीता जागता उदाहरण हैं।

प्योर इंडिया ट्रस्ट के संस्थापक प्रशांत पाल ने कहा, ''स्वरोजगार सृजन केंद्र सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग क्षेत्र के विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का सबसे मजबूत माध्यम साबित होगा। हमारा उद्देश्य है कि हम राजस्थान के हर जिले में ऐसे केंद्र स्थापित करें, ताकि ज्यादा से ज्यादा युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल सके।'' राजकीय महाविद्यालय के प्रिंसिपल गोपाल सिंह ने कहा कि यह केंद्र पूरे जिले के युवाओं के लिए 'वन-स्टॉप इनफार्मेशन सेंटर' बनेगा, जो स्वरोजगार से जुड़ी जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाएगा और लोगों को नई संभावनाओं से परिचित कराएगा।

कार्यक्रम में जिला उद्योग विभाग के जनरल मेनेजर सुग्रीव मीणा, बैंक ऑफ बड़ौदा के रीजनल मैनेजर विमल कुमार जैन, महाविद्यालय के प्रिंसिपल गोपाल सिंह, प्रोफेसर धर्मेंद्र मीणा, शहीद जैदी, पीआरओ हेमंत सिंह, सूचना विभाग से हंसराज वर्मा, और प्योर इंडिया ट्रस्ट से सत्येंद्र सिंह, निशांत दुबे आदि ने उपस्थित होकर इस पहल का समर्थन किया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया। यह स्वरोजगार सृजन केंद्र सवाईमाधोपुर और आसपास के क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा और नए उद्यमियों को सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री का नई दिल्ली दौरा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्रियों एवं मध्यप्रदेश के सीएम से की मुलाकात

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली के दो दिवसीय प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह एवं पीयूष गोयल तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की।

शर्मा ने सर्वप्रथम सोमवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने राजस्थान से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने मंगलवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से शिष्टाचार मुलाकात की। चर्चा के दौरान दोनों नेताओं के मध्य राजस्थान में विभिन्न विकास परियोजनाओं, उद्योग क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं एवं राज्य के समग्र आर्थिक विकास पर विस्तार से बातचीत हुई।

इसी क्रम में शर्मा मंगलवार को ही नई दिल्ली स्थित जोधपुर हाउस में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मिले। मुलाकात के दौरान दोनों राज्यों के बीच चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, पारस्परिक सहयोग एवं आर्थिक संबंधों के विषय में विस्तृत चर्चा की गई।

सैन समाज के जिलाध्यक्ष सहित कार्यकारिणी सदस्यों का अभिनंदन

समारोह में समाज की एकजुटता व आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन की चर्चा

चमकता राजस्थान

नदबई,(राजवीर सिंह)। क्षेत्र के गांव तलछेरा में मंगलवार को सैन समाज की ओर से आयोजित समारोह में नवीन जिला कार्यकारिणी व तहसील अध्यक्ष का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इससे पहले नवनियुक्त जिलाध्यक्ष भगवान सिंह खटौटी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। वही, समाज की एकजुटता का आह्वान करते हुए आगामी सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज के लोगों को सहयोग करने का संकल्प दिलाया। बाद में ग्रामीणों ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष भगवान सिंह खटौटी सहित उपाध्यक्ष राजा सैन, महामंत्री रामनिवास सैन, कोषाध्यक्ष कप्तान बहनेरा एवं नदबई अध्यक्ष रमेश सैन, उपाध्यक्ष हेमंत सैन व सचिव ओमप्रकाश सैन का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया। समारोह में विजय सिंह, सतीश सैन, जगदीश सैन, गोपाल सैन, राजेन्द्र सैन, लाखन मुखिया, बच्चू सिंह सूबेदार, लक्ष्मीनारायण सैन आदि मौजूद रहे।

विकसित भारत यंग लिडरशिप डायलोग राज्य चैंपियनशिप 26 को: डा. नीरज कुमार पवन

चमकता राजस्थान। जयपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार ''विकसित भारत यंग लिडरशिप डायलोग'' के अन्तर्गत माय भारत पोर्टल के माध्यम से प्राप्त निबंध प्रतियोगिता में राज्य चैंपियनशिप राजस्थान विश्वविद्यालय के हुमन रिसोर्स डवलपमेंट सेन्टर में हो रही है।

शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष-राजस्थान युवा बोर्ड डा. नीरज कुमार पवन ने बताया कि विकसित भारत यंग लिडरशिप डायलोग के अन्तर्गत द्वितीय चरण में उत्तीर्ण 213 प्रतिभागीयों को राज्य स्तरीय विकसित भारत चैंपियनषिप विजेता 26 दिसम्बर को प्रातः 09.00 बजे हुमन रिसोर्स डवलपमेंट सेन्टर (एचआरडीसी) एमएमटीटीसी बिल्डिग, राजस्थान विष्वविद्यालय, जयपुर नियर, गांधी सर्किल में प्रस्तुतीकरण हेतु आमंत्रित किया गया है।

उन्होंने बताया कि ख्याति प्राप्त विषेषज्ञयों द्वारा प्रत्येक सब्जेक्ट/ ट्रैक में 3-3 युवाओं का चयन किया जायेगा। इस प्रकार कुल 10 (भविष्य के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण, महिलाओं को सशक्त बनाना और सामाजिक संकेतक में सुधार, विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना, कृषि में उत्पादकता बढ़ाना, भारत को एक स्पोर्टिंग और फिट राष्ट्र बनाना, भारत को वैश्विक विनिर्माण पावर हाउस बनाना, भारत को विश्व की स्टार्टअप राजधानी बनाना, भारत को पूर्णतः टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाना, विकसित भारत के लिए तकनीकी, विकास भी विरासत भी) सब्जेट/ट्रेक में 45 युवाओं का चयन कर 28वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण देगें।

राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद जयपुर का नवीन दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित

● विजय कृष्ण भारद्वाज बने जयपुर संभाग अध्यक्ष

चमकता राजस्थान। जयपुर। कार्यक्रम की अध्यक्षता रणधीर सिंह कच्छावा प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद एवं विशिष्ट अतिथि अनूप सक्सेना पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद

परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रणधीर सिंह कच्छावा ने सरकार को पेश किए जाने वाले मांग पत्र के बारे में परिषद के कार्यकर्ताओं को अवगत करवाया एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारी को संगठन की रीति नीति से अवगत करवाते हुए उसके अनुसार कार्य करने की प्रेरणा दी।

संगठन के संयुक्त मंत्री कमलेश शर्मा ने संगठन की रीति नीति एवं वर्तमान परिपेक्ष में कार्यकर्ताओं के दायित्व के बारे में जानकारी दी।

विशिष्ठ अतिथि अनूप सक्सेना ने सभी से टीमवर्क के रूप में कार्य करने की अपील की। उपाध्यक्ष संदीप धाभाई ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की रीति नीति अनुसार कार्य करने की प्रेरणा दी।

संभाग अध्यक्ष विजयकृष्ण भारद्वाज ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अटलजी की 100वीं जयंती पर विशेष

'सरकारें आएंगी-जाएंगी, मगर ये देश रहना चाहिए'

विमलेश शर्मा

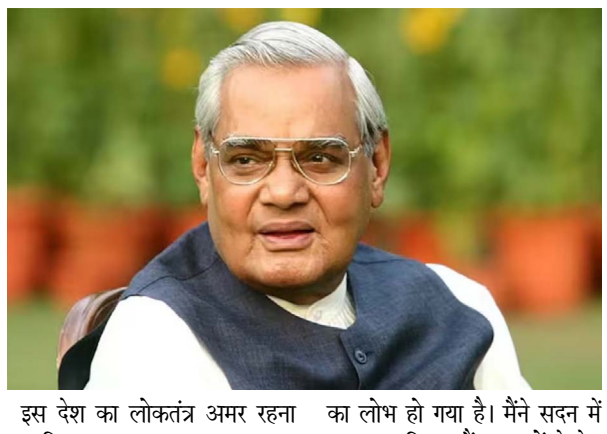

आजादी के बाद कई सरकारें आई, बदली और चली गईं ' बावजूद इसके प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेई का कार्यकाल आज भी सर्वोच्च माना जाता है ' वह इसलिए भी की सत्ता से पहले उन्होंने देश को प्राथमिकता दी। समझौता देश की रक्षा विकास के लिए किया । पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी 13 दिनों की अल्पमत सरकार के विश्वास मत के दौरान 31 मई, 1996 को संसद में जो भाषण दिया था उसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। अटल जी ने अपने भाषण में कहा था कि -जब कभी आवशयकता पड़ी, संकटों के निराकरण में , हमने उस समय की सरकारों की मदद की। ₹सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेगी, मगर ये देश रहना चाहिए, इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।₹

'ऐसी सत्ता को मैं चीमटे से छूना भी पसंद नहीं करुंगा...'

1996 में अटल जी पर कुछ विपक्षी नेताओं ने सत्ता के लोभ का आरोप भी लगाया था। इन आरोपों से वे बहुत दुःखी थे। उन्होंने इन आरोपों के जबाव में कहा था कि मेरे ऊपर आरोप लगाया गया है कि मुझे सत्ता का लोभ हो गया है। मैंने सदन में 40 साल बिताए हैं। सदस्यों ने मेरा व्यवहार देखा है, आचरण देखा है... पार्टी तोड़कर सत्ता मिलती है तो ऐसी सत्ता मैं चिमटे से भी छूना पसंद नहीं करुंगा।

भारत रत्न देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भाषण-शैली और तथ्य प्रस्तुति करने की कला ऐसी थी कि चाहे संसद हो अथवा सार्वजनिक सभा, विरोधी भी धैर्यपूर्वक उन्हें सुनते थे। अटलजी जब चुटकी लेते थे तो ठहाके लगते थे। आम सभाओं में सबसे अधिक भीड़ उनकी सभाओं में ही उमड़ती थी। जब इतने साधन नहीं थे तब लोग उन्हें सुनने कोसो पैदल चलकर पहुंच जाते थे। जयपुर के त्रिपोलिया बाजार में जब उनकी सभा होती थी तो प्रमुख विपक्षी दलों के नेता भी बरामदों की ओट में अटलजी को सुनते नजर आते थे। अटलजी की पहचान भी भाजपा में एक उदार चेहरे के रूप में थी।

चाय-पान की दुकानों पर होने वाली राजनीतिक चर्चाओं में आलोचना प्रत्यालोचनाओं के बीच अटलजी के भाषण शैली की सब मुक्त कंठ से प्रंशसा ही करते नजर आते थे। अटलजी ही देश में एकमात्र नेता थे जिनकी भाषण शैली को बहुत से नवोदय नेताओं ने अपनाया भी और काफी हद तक इस भाषण शैली के बल पर सभाओं में श्रोताओं को बांधने में कामयाब रहे। हालांकि,अटलजी का कोई तोड़ नहीं था।

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी को भी अटलजी की भाषण शैली बहुत पसंद थी। अटलजी जब अपना हाथ हवा में लहराते हुए, विनोदपूर्ण शैली में चुटीले व्यंग्य करते थे, तो तालियों की गडगड़ाहट से सभास्थल गूंज उठता था। अटलजी शुरुआती दिनों में डॉ.मुखर्जी के निजी सचिव भी रहे थे।

उन्होंने अपने जीवन का क्षण-क्षण और शरीर का कण-कण राष्ट्रसेवा को अर्पित कर दिया था। उनका तो उद्घोष भी था - ₹हम जिएंगे तो देश के लिए, मरेंगे तो देश के लिए₹।

₹ इस पावन धरती का कंकर-कंकर शंकर है, बिन्दु-बिन्दु गंगाजल हैर। मैं भारत के लिए हंसते-हंसते प्राण न्योछावर करने में गौरव और गर्व का अनुभव करूंगा।

बाधाएं आती हैं आएं,
घिरें प्रलय की घोर घटाएं,
पांवों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं,
निज हाथों में हंसते-हंसते,
आग लगाकर जलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।

अपनी इन्हीं पंक्तियों की तरह थे पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी। अपनी पार्टी का नेता हो या विरोधी पार्टी का, सबको साथ लेकर चलने की खूबी उन्हें दूसरे नेताओं से अलग करती थी। यही कारण था कि उन्हें अजातशत्रु भी कहा जाता था। 25 दिसम्बर 1924 को जन्में बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी इस महापुरुष को सौ वीं जन्म जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

भारत रत्न स्व श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) प स फलोदी के प्रभारी प्रेम रतन दवे ने बताया कि भारत रत्न स्व श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर पंचायत समिति फलोदी की समस्त 32 ग्राम पंचायतों में दिनांक 25 से 31 दिसंबर तक स्वच्छता सप्ताह अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित कुमार गर्ग के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा।

दवे ने बताया कि द 25 को प्लास्टिक कचरा प्रबंधन थीम पर सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध की जानकारी,3फ रूल्स अपनाना, प्लास्टिक का उपयोग कम करने की शपथ दिलाना,26 को शौचालय उपयोग की थीम पर सभी सरकारी/निजी संस्थानों के शौचालय की सफाई एवं क्रियाशील बनाना, 27 को ठोस कचरा प्रबंधन की थीम पर सड़क, सार्वजनिक परिसर, कार्यालयों की सफाई एवं श्रमदान करना,28 को तरल कचरा प्रबंधन की थीम पर जलाशयों एवं सार्वजनिक परिसर की सफाई एवं श्रमदान,29 को माहवारी कचरा प्रबंधन की थीम पर सैनेट्री वेंडिंग मशीन एवं इंसीनरेटर के उपयोग की जानकारी, राजीविका, आंगनवाड़ी की महिलाओं के सहयोग से महिला मार्च का आयोजन,30 को पर्यटन धार्मिक स्थलों पर प्रत्यक्ष स्वच्छता की थीम पर धर्मशाला,धार्मिक स्थल,पर्यटक स्थलों की सफाई एवं श्रमदान,ग्रीनलीफ रेटिंग वितरण,31 को व्यवहार परिवर्तन थीम पर घर घर संपर्क कर स्वच्छता हेतु प्रोत्साहित करना आदि कार्यक्रम किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

चमकता राजस्थान। जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर पर आपत्तिजनक एवं असम्मानजनक टिप्पणी करने के विरोध मे बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान मार्च के बाद जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सहित प्रमुख कांग्रेस नेताओ ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पद से बर्खास्त करने एवं देश से माफी की मांग का ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को सौंपा गया।

पूर्व सांसद रंजीता कोली ने केंद्रीय गृहमंत्री से की मुलाकात

- **कांग्रेस कार्यकाल में हुए खनन घोटाले को लेकर सीबीआई जांच की रखी मांग**

चमकता राजस्थान । भरतपुर (राजवीर सिंह)। पूर्व सांसद रंजीता कोली ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से की मुलाकात, कांग्रेस कार्यकाल में हुए खनन घोटाले को लेकर सीबीआई जांच की रखी मांग। भरतपुर के विभिन्न मुद्दों को लेकर भी चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान करीब 20 मिनट तक भरतपुर के मुददों को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान पूर्व सांसद को केंद्रीय गृहमंत्री ने दिया समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। कहा की कांग्रेस राज्य में हुए खनन घोटाले की जल्द ही जांच कराई जाएगी। पूर्व सांसद ने कहा कि कांग्रेस सरकार कार्यकाल के दौरान, कांग्रेस सरकार में रहे कई मंत्रियों का हस्तक्षेप रहा जिससे अवैध खनन किया गया। पूर्व सांसद कोली ने गहनता से जांच कराने की मांग की । इसके साथ कई अधिकारियों के हस्तक्षेप का भी उल्लेख किया गया। और बताया कि अधिकारीओं की मिली भगत से यह अवैध खनन हुआ है।

मॉडल स्कूल प्राइमरी विंग में बच्चों ने खेले खेल उठाया लुत्फ

चमकता राजस्थान। फलोदी। स्थानीय मोहन छंगाणी नगर में स्थित स्वामी विवेकानंद गवर्नमेंट मॉडल स्कूल फलोदी की प्राइमरी विंग कक्षा प्रथम से पंचमी तक में आज एनुअल स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया ।

जिसमें विद्यालय ब्ल्यू,रेड,येलो व ग्रीन से विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया गया। इन प्रतियोगिताओं में 50 मीटर दौड़,रिले दौड़,फ्रॉग रेस,बैग रेस,लॉन्ग जंप,हाई जंप, का आयोजन हुआ। विद्यालय के जूनियर,सीनियर वर्गों से बालक व बालिकाओं ने हिस्सा लिया।सभी विद्यार्थियों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया।विद्यालय की प्राइमरी विंग के प्रभारी विशंभर थानवी ने बताया कि जिन विद्यार्थियों प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया उन्हें विंटर वेकेशन के बाद पुरस्कार दिए जाएंगे।शारीरिक शिक्षक महिपाल सिंह ने बताया कि सभी विद्यार्थियों द्वारा बड़े उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया व नन्हे मुन्हें बालकों ने अच्छी परफॉर्मेंस दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्र थानवी ने इस इवेंट से पूर्व सभी विद्यार्थियों की हौसला अफजाई की और उन्हें पढ़ाई के साथ खेलों का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है बात कही। इस अवसर पर विद्यालय के चंद्रकला शर्मा,प्रियंका सुथार,पूजा सोलंकी,सुरभि छंगाणी व मोहित सर ने प्रतियोगिता में महती भूमिका अदा की।

वरिष्ठ पेंशनर सम्मान एवं स्नेह मिलन समारोह

चमकता राजस्थान। जयपुर। राजस्थान पेंशनर समाज जिला शाखा फलोदी का वरिष्ठ पेंशनर सम्मान एवं स्नेह मिलन समारोह विश्वकर्मा जांगिड़ समाज छात्रावास लक्ष्मीपुरा में आयोजित किया गया।इस समारोह में 20 वरिष्ठ पेंशनरों का साफा,शाल एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समारोह की अध्यक्षता जोधपुर पेंशन समाज के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने की,समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त वरिष्ठ सर्जन डॉ.बी.आर.पालीवाल थे एवं ओसियां पेंशन समाज अध्यक्ष दुर्गाराम चौधरी,पावटा शाखा अध्यक्ष कन्हैयालाल सामरिया, सरदारपुरा अध्यक्ष डी.सी.सिंघवी,जैसलमेर जिला अध्यक्ष आनन्द जगानी,सी.बी.ई.ओ.फलोदी किशोर बोहरा एवं सुथार समाज अध्यक्ष हेमराज डोयल ने इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पद को सुशोभित किया।

आज के समारोह के भामाशाह वरिष्ठ फिजीशियन डॉ.सतीश पुरोहित जो कि स्वयं फलोदी पेंशनर समाज के सदस्य है , का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयकृष्ण थानवी ने किया।फलोदी जिला अध्यक्ष हस्तीमल सुथार ने आगंतुक मेहमानों का आभार व्यक्त किया। समारोह के आयोजन में मदनलाल सुथार,भोजराज जीनगर एवं राजेन्द्र शर्मा का योगदान सराहनीय रहा।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूसी की बैठक हुई आयोजित

68 करोड़ रूपये के कार्य किये स्वीकृत,दो योजनाओं का किया अनुमोदन

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 24 दिसम्बर। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में मंगलवार को मंथन सभागार में पीडब्ल्यूसी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एक आवासीय व एक वेयर हाउस योजना सृजित करने का अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही 68 करोड़ रूपये के कार्य स्वीकृत किये गये जिससे जयपुर के विकास को गति मिलेगी। बैठक में ग्राम बैनाड़ मय दौलतपुरा तहसील रामपुरा डाबड़ी में जेडीए स्वामित्व की भूमि पर आवासीय योजना सृजित करने का अनुमोदन

किया गया। बैठक में ग्राम सिराणी मय गणपतपुरा स्थित जेडीए स्वामित्व की भूमि 7.52 हैक्ट. में सामान्य वेयर हाउस योजना सृजित करने का अनुमोदन किया गया। बैठक में जोन-14 में लैण्ड पुलिंग स्कीम ग्राम शिवदासपुरा, चन्दलाई एवं बरखेड़ा व चाकसु में डिमार्केशन व सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों हेतु 29.40 करोड़ रूपये की कार्योत्तर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति का अनुमोदन किया गया। बैठक में जोन-9 के सेक्टर रोड पर स्ट्रीट लाईट लगाने एवं झोटवाड़ा आरओबी पर स्ट्रीट लाईन लगाने के अतिरिक्त कार्य करवाये जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में जोन-11 में लैण्ड पुलिंग स्कीम ग्राम अचरावाला, जयसिंहपुरा उर्फ तेजावाला एवं अभयपुरा व डिग्गी मालपुरा रोड पर डिमार्केशन व सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों हेतु 30.98 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। बैठक में जविप्रा की दीनदयाल नगर आवासीय योजना ग्राम भम्भोरी में 33/11 केवी जीएसएस में शेष विद्युतिकरण कार्य हेतु 3.28 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई। बैठक में सीबीआई फाटक से 7 नं बस स्टेण्ड महल रोड, जगतपुरा तक 160 फीट रोड में आ रही एचटी/एलटी लाईन, ट्रांसफार्मर एवं आरएमयू आदि शिफ्टींग कार्य हेतु एवं स्ट्रीट लाईट्स लगाने हेतु 4.10 करोड़ रूपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई।

असम के नागांव जिले का दौरा

सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन देखने असम के एकदिवसीय प्रवास पर रहे केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी

किसानों और आमजन के कल्याण को लेकर चल रही है योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर प्रशासन के साथ की समीक्षा बैठकें

चमकता राजस्थान

जयपुर/ नागांव (खलील कुरैशी) (असम), 24 दिसंबर 2024 केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने सोमवार को असम के नागांव जिले का दौरा कर केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति का अवलोकन एवं समीक्षा की। इस दौरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर किसानों और स्थानीय जरूरतमंदों तक पहुंचे।

समीक्षा बैठक में किसानों और आमजन से संवाद : असम प्रवास के दौरान केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने राष्ट्रीय ऑयल पाम मिशन के कार्यान्वयन की स्थिति को लेकर प्रगति समीक्षा बैठक में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने स्थानीय किसानों से संवाद कर उनके अनुभवों, समस्याओं, और आवशयकताओं को समझा। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने जिले में विकास कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया और स्थानीय प्रशासन को योजनाओं के तेज, पारदर्शी, और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास की प्रक्रिया में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। योजनाओं का सही क्रियान्वयन सर्वोच्च प्राथमिकता : नागांव में विभिन्न परियोजना स्थलों का दौरा करते हुए केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी कहा कि कि स्थानीय आमजन की सक्रिय भागीदारी और केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता के साथ इस क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं साकार हो रही हैं। उन्होंने आमजन और लाभार्थियों के साथ संवाद के माध्यम से उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना और संबंधित अधिकारियों को समाधान को लेकर आवशयक दिशानिर्देश दिए। भागीरथ चौधरी ने कहा कि हमारा उद्देशय सिर्फ योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि इनका वास्तविक लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। नागांव जैसे जिले में विकास के नए आयाम स्थापित करने की पूरी क्षमता है और हम इस दिशा में ठोस प्रयास कर रहे हैं।

टीकाकरण का विशेष अभियान 31 दिसम्बर तक..

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम, 24 दिसम्बर। चिकित्सा विभाग की ओर से नियमित टीकाकरण का विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके तहत ऐसे बच्चे जिनकी उम्र 10 सप्ताह से ज्यादा हो गया है, जिनको अभी तक किसी भी कारण से पेन्टावेलेंट वैक्सीन व अन्य साथ दी जाने वाली वैक्सीन की प्रथम खुराक भी नहीं दी गई है को 31 दिसम्बर तक चलाए जाने वाले विशेष अभियान में टीकाकृत किया जाएगा।कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि अभियान के तहत शून्य डोज वाले बच्चों को टीकाकरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऐसे बच्चे (शून्य से पांच साल तक की आयु के बच्चों को उनकी आयु अनुसार छूटे हुए) जो कि सी भी कारण से अन्य वैक्सीन की खुराक जैसे कि पेन्टा प्रथम से तृतीय, एमआर प्रथम से द्वितीय, ओपीवी, रोटा, एफआईपीवी, पीसीवी, डीपीटी बूस्टर आदि से वंचित है, को अभियान के दौरान टीकाकृत किया जाएगा आरसीएचओ जयपुर प्रथम डॉ. धर्मेंद्र कराड़िया ने बताया कि इस संबंध में हाल ही में मिशन निदेशक डॉ. भारती दीक्षित ने निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि पोलियो, निमोनिया, टीबी/तपेदिक, टीटनेस, हैपेटाइटिस बी, मेनिनजाइटिस, गलघोटू, खसरा, रूबैला, काली खांसी, रोटा वायरस दस्त आदि बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण बेहद जरूरी है। सभी राजकीय स्वास्थ्य केन्द्रों तथा आंगनबाडी केन्द्र में निर्धारित दिवस गुरूवार को लाभाथी बच्चों व गर्भवती महिलाओं को निशुल्क टीके लगाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि यू-वीन एप्प में स्वयं रजिस्ट्रर करके व डिजीटिल टीकाकरण प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की खंड बैठक का आयोजन, नए पदाधिकारियों की घोषणा

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखण्ड के नेवी पब्लिक विद्यालय में आयोजित विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की खंड बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष महेश भटेले ने की। बैठक की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर और प्रणवाचार के साथ हुई। इस अवसर पर टोंटरी समाजसेवी और खंड अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा का सम्मान नेवी पब्लिक विद्यालय के संचालक दारा सिंह पचोरी ने साफा और पुष्पमाला पहनाकर किया। बैठक में खंड बजरंग दल संयोजक जितेंद्र प्रजापति, सह संयोजक देवेश प्रजापति, खंड मातृशक्ति संयोजिका नीतू शिवहरे, सहसंयोजिका सोनम शिवहरे और खंड मंत्री योगेश गोयल को उनके नए दायित्व सौंपे गए। इस बैठक में नगर अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र शर्मा, सहित कई सनातन धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

विकास समिति बसेडी द्वारा राष्ट्रपति भारत सरकार को जरीये जिला कलेक्टर, धौलपुर को सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। दिनांक 17 दिसंबर 2024 को गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के बारे में एक अपमानजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ₹अम्बेडकर का नाम लेने से स्वर्ग मिलता।

₹ यह बयान देश की बहुसंख्यक आबादी की भावनाओं को गहरे रूप से आहत करता है, और हम इसकी घोर निंदा करते हैं। इस प्रकार की टिप्पणी से समाज में तनाव और विभाजन बढ़ने की संभावना है।

बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के द्वारा रचित संविधान के कारण ही आज देश की बहुसंख्यक आबादी को समान अधिकार, स्वतंत्रता और सम्मान प्राप्त हुआ है। उनका यह योगदान भारतीय समाज के लिए अतुलनीय है। उनके योगदान और विचारों का अपमान करना किसी भी प्रकार से स्वीकार्य नहीं हो सकता है। हम अमित शाह से उनके इस बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी की मांग करते हैं और उन्हें गृहमंत्री के पद से बर्खास्त करने की अपील करते हैं ताकि देश की बहुसंख्यक आबादी की भावनाओं को सम्मान दिया जा सके। इस बयान से समाज में अव्यवस्था और असहमति फैलने का खतरा पैदा हुआ है, जिसे तुरंत संबोधित किया जाना चाहिए,

जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश चंद ने किया जिला कारागृह एवं जेल लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ठअछरअ) और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (फ्छरअ) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, आज दिनांक 24 दिसंबर 2024 को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश चंद ने जिला कारागृह धौलपुर और जेल लीगल एड क्लीनिक का विधिवत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, न्यायाधीश ने जेल लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली का गहन अवलोकन किया और एस. ओ.पी. के अनुसार निर्देशों की अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लीगल एड

क्लीनिक द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के तहत विशेष रूप से निर्धन और कमजोर वर्ग के बंदियों को विशेष सहायता दी जाए। इसके अलावा, नाबालिग बंदियों की पहचान, वृद्ध बंदियों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त बंदियों के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

न्यायाधीश ने जेल में बंदियों को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, सफाई, स्वास्थ्य, स्वच्छता, चिकित्सीय सुविधाओं, रसोईघर और बैरकों की स्थिति का भी गह-राई से निरीक्षण किया। उन्होंने जेल के अस्पताल में जाकर दवाइयों के स्टॉक की जांच की और रसोईघर में भोजन की गुणवत्ता का अवलोकन किया। इसके अलावा, न्यायाधीश ने जेल में निरूद्ध नए बंदियों से भी व्यक्तिगत रूप से बात की और उनके मामलों की जानकारी ली। जेल में बंदियों के लिए विधिक सहायता की उपलब्धता को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। न्यायाधीश ने कहा कि यदि किसी विचाराधीन बंदी को अपनी पैरवी के लिए अधिवक्ता की आवशयकता है, तो वे जेल अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार, जिन सजायाफ्ता बंदियों ने सजा के खिलाफ अपील नहीं की है, वे भी अपील करने के लिए विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

इस निरीक्षण में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रेखा यादव, जेल अधीक्षक सुमन मीणा, पीए मनोज वर्मा, स्टेनो राहुल डण्डौतिया, कनिष्ठ लिपिक सुरेन्द्र सिंह, और अन्य अधिकारी एवं कारागृह का स्टाफ मौजूद रहे।

दुल्हा-दुल्हन ने निकाह में शरई तरीका अपनाया, नो गार्डन, नो डिनर, नो दहेज का दिया संदेश

नईमुद्दीन कुरैशी (इंडियाना) और छुट्टन कुरैशी की सकारात्मक पहल बनी समाज सुधार की बेहतरीन नज़ीर

बच्चों का खिजुर व शर्बत पर निकाह करवाकर पाक सुन्नत को किया सहज एवं आसान

फिजूलखर्ची, दिखावे, धन एवं समय की अनावश्यक बर्बादी से समाज को बचाना ही मौजूदा वक्त का सबसे अहम अमल : इमरान कुरैशी

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । मौजूदा वक्त में महंगी मंहगी शादियों और इन शादीयों में ग़ैर सुन्नती तौर-तरीकों एवं रस्मों रिवाजों, बड़े बड़े खानों, महंगे-महंगे गार्डनों, दहेज के नाम दिखावा, फिजूलखर्ची के चलते आम आदमी का अपनें की शादी करने का सपना मंहगाई के सामने चकनाचूर हो रहा है ख़ासकर समाज की बच्चीयों की शादी में अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है हालात तो यहां तक पेश आ चुके हैं कि बहुत सी शादी लायक़ बच्चीयां आज भी निकाह की सुन्नत से मेहरुम है जिसके कारण समाज में अनेक बुराइयों का बोलबाला बढ़ने की पुरी पुरी संभावना है इन सभी महत्वपूर्ण विषयों पर गौर ओ फिक्र के चलते ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के राजस्थान सदर नईमुद्दीन कुरैशी (इंडियाना) की कोशिशें और पहल आखिर कामयाब हुई। इनकी इच्छा रही है कि वे कौम व समाज में ऐसी मिसाल पेश करें जिससे कि लोगों को फिजूलखर्ची और गैर जरुरी रस्मों-रिवाज पर पाबंदी लगे। इनके ये प्रयास मंगलवार को यहां रंग लाए।इन्होंने अपने बेटे शादाब (ग्रेजुएट) की शादी इस्लामी तरीके से करते हुए शर्बत व खिजूर पर निकाह कराया। वहीं इनकी कोशिशों में पूरा साथ दिया झोटवाड़ा निवासी बिजनेसमैन छुट्टन कुरैशी व इनके बेटे इमरान कुरैशी एवं बेटी सानिया (पोस्ट ग्रेजुएट) ने।छुट्टन कुरैशी की बेटी दीनी तर्बियतयाफ्ता सानिया की भी ख्वाहिश थी कि उसका रिश्ता दीनदार घराने में हो। शरीयत पर अमल करते हुए आज दोनों ही खानदानों ने अपने बच्चे व बच्ची का निकाह सादगी के साथ मस्जिद में कराया। आने वाले मेहमानों को शर्बत व खिजूर पेश कर मेहमान नवाजी की गई।बता दें कि राजस्थान के वरिष्ठ समाजसेवी छुट्टन कुरैशी ने गत दिनों अपनी बेटी का रिश्ता नईमुद्दीन कुरैशी के बेटे के साथ मात्र दो रुपए सलाम-मुद्दे के देक र सादगी के साथ रस्म अदायगी की थी। तयशुदा उसी रिश्ते को आगे बढ़ाते हुए आज शरई तरीके से निकाह हुआ। निकाह की रस्म मस्जिद में अदा कराने के बाद लड़-की वालों ने दुल्हा पक्ष व बारातियों को खिजूर व शर्बत पिलाकर सादगी के साथ छुट्टन कुरैशी व उनके बेटे इमरान कुरैशी ने अपनी लख्ते जिगर को बेहद सादगी के साथ रुखसत किया। छुट्टन कुरैशी व उनके पुत्र इमरान कुरैशी ने नो मैरिज गार्डन, नो दहेज, नो डिनर के शादी कर मिसाल कायम की है।

फिजूलखर्ची दिखावा हो बंद, बच्चों की तालीम और समाज की तरक्की पर खर्च करें : इमरान कुरैशी

दुल्हन सानिया के भाई एवं कांग्रेस के युवा नेता इमरान कुरैशी ने कहा कि दहेज एक बड़ी समस्या है। बच्चों की शादियां-निकाह चुनौती बनती जा रही है। कई बेटियों की तो शादियों में इसी कारण देरी होती जा रही कि दहेज व बारातियों पर खर्च सहन नहीं हो पाता। कई जगह दहेज के कारण रिश्ता टूट जाता है, इसलिए दहेज जैसी प्रथाओं पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। शादियों में अनावश्यक खर्च करने से बेहतर है कि उसे बच्चों की शिक्षा पर खर्च करें। उन्होंने लोगों से शादी में होने वाली फिजूलखर्ची को छोड़ने, मस्जिदों में सादगी से निकाह करने और दहेज लेन-देन को पूरी तरह छोड़ने का आ''ान किया।इस मुबारक मौके पर निकाह में जयपुर शहर की मशहूर और मारुफ शख्सियतों सहित कुरैशी समाज एवं बड़ी संख्या में लोगों शामिल होकर अपनी दुआओं से नवाजते हुए दुल्हा-दुल्हन को पेश करी मुबारकबाद

निकाह को सरल एवं आसान बनाए : छुट्टन कुरैशी

छुट्टन कुरैशी ने कहा कि दहेज लेने और देने की प्रथा इस्लाम का हिस्सा नहीं है। निकाह को आसान बनाएं, फिजूलखर्ची से बचें। तालीम, रोजगार व अन्य आवश्यक कार्य के लिए खर्च करें। निकाह एक तरह से दो परिवार को जोड़ने का जरिया है। इसमें दिखावे की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

मस्जिदों में सादगी से निकाह करें : नईमुद्दीन कुरैशी इंडियाना

दुल्हे के पिता नईमुद्दीन कुरैशी ने कहा कि मैंने अपने बच्चे का निकाह इस्लामी तरीके से करने की कोशिश की है। बेटे का निकाह शरीयत के मुताबिक करके लोगों को पैगाम दिया है कि निकाह को आसान करें और इस मामले में इस्लामी उसूलों की पाबंदी से पालना करें। उन्होंने लोगों से शादी में होने वाली फिजूलखर्ची को छोड़ने, मस्जिदों में सादगी से निकाह करने और दहेज लेन-देन को पूरी तरह छोड़ने की अपील की है।

दुल्हा-दुल्हन ने सादगीपूर्ण निकाह को दी तर्जी

बता दें कि वरिष्ठ समाजसेवी छुट्टन कुरैशी की बेटी सानिया और ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश राजस्थान के सदर नईमुद्दीन कुरैशी के बेटे शादाब ने दहेज वगैरा लेने-देने से इनकार कर दिया और अवाम को एक पैगाम दिया कि निकाह को आसान करें, जिससे गरीब मां-बाप अपनी बेटी का निकाह आसानी से कर सके। निकाह में फिजूलखर्ची करके अपनी जिंदगियों को तबाह-बर्बाद ना करें।

संक्षिप्त समाचार

दीपावली सजावट प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित

- शाहपुरा नगर परिषद प्रथम स्थान पर रही
- पुरस्कार वितरण समारोह में स्मृति चिन्ह, साफा पहनाकर किया सम्मान

चमकता राजस्थान। शाहपुरा(खलील कुरैशी)-दीपावली पर्व पर शहर में सामाजिक संस्था शाहपुरा युवा विकास समिति की ओर से आयोजित दीपावली सजावट प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण मंगलवार को नगर परिषद के आयुक्त शुभम गुप्ता के मुख्य अतिथि व समिति के अध्यक्ष राजेश मंडोवरा की अध्यक्षता में नगर परिषद के सभापति बंशीधर सैनी को प्रथम पुरस्कार दिया गया कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समिति के संरक्षक विजय कुमार पटवारी, सहसरक्षक अध्यापक बाबूलाल सेन, वरिष्ठ संरक्षक बंशीधर खटावलिया, श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद अजमेरी, अध्यापक जगदीश निझर थे। सजावट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नगर परिषद के सभापति बंशीधर सैनी, द्वितीय स्थान एस एल टावर के मालिक लालचंद पलसानिया व तृतीय स्थान टमी मार्केट के अजय कुमार ताबी को स्मृति चिन्ह, श्याम बाबा का दुपट्टा व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि नगर परिषद के आयुक्त ने कहा कि समिति के द्वारा जो सामाजिक कार्य किया जा रहे हैं वे काफी सराहनीय है। अध्यक्षता करते हुए समिति के अध्यक्ष राजेश मंडोवरा व समाजसेवी नंदू चावला ने कहा कि सामाजिक संस्थाओं को समय-समय पर सृजनात्मक व रचनात्मक कार्य करते रहना चाि-हए। इस दौरान समिति के महासचिव राजेश पलसानिया, पूर्व सरपंच मातादीन योगी, समाजसेवी गजानन मंडोवरा, मनोज काके, ओमप्रकाश भडाणा,जाकिर हुसैन, पार्षद अर्जुन फौजी व पार्षद नवाब अली ने शाहपुरा को स्वच्छ व पॉलिथीन मुक्त करने में सहयोग करने की बात कही और कपड़े के बैग के उपयोग करने पर जोर दिया इस दौरान समिति के महामंत्री ओम प्रकाश सैनी, नगर उपाध्यक्ष मुकेश नेनावत, घनश्याम सैनी,छितर पटेल, गिरधारी पलसानिया, हीरालाल धानका, जयप्रकाश शर्मा, नवल किशोर सोनी, अर्जुन लाल रोलाणिया, गोवर्धन लाल सैनी, सीताराम मेहरा सहित समिति के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे मंच का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता पूरणमल बुनकर ने किया।

बाबा गंगादास राजकीय महिला महाविद्यालय शाहपुरा में द्वितीय एक दिवसीय कैंप का हुआ विधिवत आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई प्रथम एवं द्वितीय ईकाई रहे कार्यक्रम के आयोजक

चमकता राजस्थान

शाहपुरा (खलील कुरैशी) शाहपुरा शहर स्थित बाबा गंगादास राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो नरेश कुमार मीना की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई प्रथम एवम् इकाई द्वितीय द्वारा द्वितीय एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया। एन एस एस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजेश बेनीवाल और ज्योत्स्ना ने बताया कि प्रथम बौद्धिक सत्र में पर प्राचार्य प्रो. मीना ने स्वयं सेविकाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए पहल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वॉलेंटियर्स को किसी भी विशेष परिस्थित या आपदा से निपटने के गुर सीखकर समाज में उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर उपभोक्ता के अधिकारों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।द्वितीय श्रमदान सत्र में वॉलंटियर्स ने बस्ती सेड का बास व कुम्हारों का मोहल्ला में श्रमदान किया तथा लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान की। तृतीय खेलकूद सत्र स्वयं सेविकाओं ने विभिन्न खेलकूद गतिविधियों में भाग लिया जिसमें रस्साकस्सी, दौड़, म्यूजिकल चेयर प्रमुख थे। कार्यक्रम में प्रो. अंजू अग्रवाल, डॉ. पुष्पा अग्रवाल, डॉ. नंदिनी शर्मा, प्रकाश चंद्र ढबास, डॉ. भानाराम जाट, हेमराज पलसानिया, राकेश कपूरिया, सत्यनारायण गुप्ता, रविंद्र सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

सुशासन सप्ताह के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

- जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने दिलाई शपथ

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 24 दिसम्बर। सुशासन सप्ताह के तहत मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित तहसील चौक में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई।

● यें अधिकारीगण रहे मौजूद

इस दौरान जिला परिषद सीईओ प्रतिभा वर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) विनीता सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर (द्वितीय) आशीष कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) कुंतल बिश्नोई, अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) सुमन पंवार, अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) देवेंद्र कुमार जैन, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (उत्तर) मुकेश कुमार मूंड, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहाड़िया सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

महापौर डॉ. सौम्या ने नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर स्थित मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र का किया उद्घाटन

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी)24 दिसम्बर। नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मंगलवार को मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र का उद्घाटन किया। इस दौरान चैयरमेन लक्ष्मण नूनीवाल, अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती सीमा कुमार, उपायुक्त स्वास्थ्य ओम प्रकाश थानवी, वित्तीय सलाहकार सुनील सोनी सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान कलेक्शन ड्राइव भी आयोजित की गई। जिसमें महापौर ने घर से लाया हुआ सामान जमा करवाया। महापौर ने इस अवसर पर बताया कि मुख्यमंत्री की यह अभिनव पहल है जिसके माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरे पर खुर्शिया लाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र मुख्यालय सहित 8 स्थानों पर बनाये गये है। मालवीय नगर जोन कार्यालय, निगम मुख्यालय, सांगानेर जोन कार्यालय, जगतपुरा जोनः वार्ड क्र. 112, मैन मार्केट रेलवे स्टेशन के सामने, विद्याधर नगर जोनः अम्बाबाड़ी सर्किल, मुरलीपुरा जोन कार्यालय, झोटवाडा जोनः नीयर पार्षद कार्यालय वार्ड संख्या 64, मानसरोवर जोनः पार्षद कार्यालय थड़ी मार्केट में मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र स्थापित किये गये है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र का पता चलते ही दूर-दूर से लोग आकर खिलौने, कपड़े, जूते इत्यादि सामान जमा करवा रहे है। उन्होंने आमजन से अपील की आपके घर में अनुपयोगी सामान, वस्तुएं, सर्दी के कपड़े नगर निगम मुख्यालय पर मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र पर आकर जमा करवा सकते है। उन्होंने बताया कि आप द्वारा दिये गये सामान किसी जरूरतमंद लोगों के काम आयेगा। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने बताया कि मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्रों हेतु ऐसे सामुदायिक केन्द्रों, सार्वजनिक स्थलों, अनुपयोगी सरकारी भवनों, आश्रय स्थलों पर स्थापित किया जाये जहां पर शहरी गरीबों का घनत्व अधिक हो। उन्होंने बताया कि केन्द्रों का संचालन सोमवार से शनिवार तक प्रातः 10 बजे से 06 बजे तक किया जायेगा। केन्द्रों में लोग पुराने कपड़े, किताबें, जूते, खिलौने, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सजावटी सामग्री, प्लास्टिक अथवा धातुओं से बनी अन्य वस्तुएं जमा करवा सकेंगे जिसका वर्गीकरण कर पृथक रूप से संधारित किया जायेगा। केन्द्रों में प्राप्त होने वाले सामग्री का रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज किया जायेगा जिसमें दानदाता का नाम, मोबाइल नम्बर, पता एवं उपलब्ध करवाये गये सामान का विवरण आदि अंकित किया जावेगा तथा प्राप्त किये गये सामान की रसीद भी दी जायेगी नगर निगम मुख्यालय पर आयोजित की गई कलेक्शन ड्राइव में 587 जोड़ी कपड़े और जूते, खिलौने, स्वेटर और शॉल जमा की गई सामग्री को आंगनवाड़ी केंद्रों और ज़रूरतमंदों तक पहुँचाया जाएगा। इस अभियान ने न केवल समाज में दान और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित किया है, बल्कि सद्भावना और सेवा के संदेश को भी जन-जन तक पहुँचाया हैं। इस अभियान में विभिन्न स्कूलों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जमा किया गया सामान निगम मुख्यालय तक पहुँचाया। इसके अलावा, आमजन ने भी अपनी भूमिका निभाते हुए अपनी ओर से सामान दान किया।

जेडीए के सानिध्य में गोविन्द विहार आवासीय योजना में 202 भूखण्डों के लिए 25 दिसम्बर से आनलाईन आवेदन होंगे प्रारम्भ

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 24 दिसम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की गोविन्द विहार आवासीय योजना में 202 भूखण्डों के लिए बुधवार, 25 दिसम्बर से आनलाईन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी। इन भूखण्डों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा, जिससे लोगों को अपनी आवासीय जरूरतों को पूरा करने का एक सुनहरा अवसर मिलेगा।ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण की अटल विहार, गोविन्द विहार एवं पटेल नगर तीन आवासीय योजनाओं का शुभारम्भ 15 दिसम्बर, 2024 को नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा की उपस्थिति में किया गया था। इन योजनाओं के अंतर्गत कुल 756 भूखण्डों के आनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे और आवंटन लॉटरी द्वारा किया जाएगा।जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में गरीब एवं मध्यम वर्ग के आवास का सपना साकार करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर में प्रमुख लोकेशनों पर विकसित तीन विभिन्न आवासीय योजनाओं में पृथक-पृथक श्रेणियों के 756 भूखण्डों का आवंटन ऑनलाईन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।जेडीसी ने बताया कि जविप्रा द्वारा जोन-10 में गोविन्पुरा रोपाडा में गोविन्द विहार आवासीय योजना विकसित की गई है। इस योजना में आनलाईन आवेदन दिनांक 25.12.2024 से 24.01.2025 तक किए जा सकेंगे। इसमें कुल 202 भूखण्ड उपलब्ध हैं। गोविन्द विहार आवासीय योजना की लॉटरी 05.02.2025 को निकाली जाएगी।

इस योजना में उपलब्ध भूखण्डों का विवरण इस प्रकार हैः 45 वर्गमीटर तक के भूखण्डों की संख्याः 34 46-75 वर्गमीटर तक के भूखण्डों की संख्याः 55 121-220 वर्गमीटर तक के भूखण्डों की संख्याः 48 220 वर्गमीटर से अधिक भूखण्डों की संख्याः 65योजना की आरक्षित दर रूपये 18,000 है। उक्त योजना में आवेदन करने से संबंधित विस्तृत जानकारी, जविप्रा की वेबसाइट ६६६.ſ.ḯ२३ᾐ.ḍ५.ḷ पर उपलब्ध है। इच्छुक व्यक्ति ई-मित्र कियोस्क केन्द्रों के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।इस अवसर पर सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और अपने सपनों का घर पाने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

संक्षिप्त खबरें

जयपुर हेरिटेज निगम की सतर्कता शाखा ने 30 स्थानों से हटाए अस्थाई अतिक्रमण

चमकता राजस्थान । जयपुर (खलील कुरैशी)। हेरिटेज निगम की सतर्कता शाखा ने 30 स्थानों से हटाए अस्थाई अतिक्रमण हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में की गई कार्रवाई बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, जनाना अस्पताल, चांदी की टकसाल, हवा महल रोड, ट्रांसपोर्ट नगर, जौहरी बाजार तक 30 जगहों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाये गए दो ट्रेक्टर और पांच ट्रक सामान किया जब्त4000 रुपए की परिवहन शुल्क की रसीद जारी की गई

जिला जयपुर प्रथम में शक्ति दिवस का आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम, 24 दिसंबर ' जिला जयपुर प्रथम में मंगलवार को शक्ति दिवस आयोजित किया गया। जिसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं की अनिमिया की स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन की जांच के साथ अनिमिया का उपचार किया गया और आयरन की टेबलेट्स का वितरण किया गया।कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि राजस्थान को अनिमिया मुक्त करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप में आयोजित किया जाता है।उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) जयपुर प्रथम डॉ. प्रवीण झरवाल ने बताया कि अभियान के तहत बच्चों, उन महिलाओं व किशोरियों में अनिमिया की दर कम करने के लिए उनकी अनिमिया की स्क्रीनिंग व उपचार किया जाता है। इसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं, विवाहित महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनिमिया मुक्ति के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

सीकर में महर्षि दयानंद सरस्वती द्वि जन्म शताब्दी समारोह आयोजित

- **महर्षि दयानंद सरस्वती महज एक व्यक्ति नहीं होकर बहुत बड़े समाज सुधारक थे : राज्यपाल बागडे**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 24 दिसंबर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती युग प्रवर्तक मनीषी थे। वह व्यक्ति नहीं संस्था थे। देश को रूढ़ियों से मुक्त कराने वाले समाज सुधारक थे। बागडे मंगलवार को महर्षि दयानंद सरस्वती के द्वि जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर श्री श्याम गौशाला पिपराली सीकर में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।राज्यपाल बागडे ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती महज एक व्यक्ति नहीं होकर बहुत बड़े समाज सुधारक थे। उन्होंने सत्य का रास्ता अपनाने की बात कही। उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण एवं भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किया। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का काम किया।राज्यपाल ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने शिक्षा के महत्व को समझते हुए इंसान को सदाचारी बनने के लिए प्रेरित किया।राज्यपाल बागडे ने कहा कि हम हमारे पुराने ज्ञान को संजोए रखते हुए नए ज्ञान को एकत्र करें, यही हमारी भारतीय संस्कृति है। इस दौरान उन्होंने देश निर्माण में नई शिक्षा नीति के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने अहिल्या बाई होलकर के समाज सुधार में अतुल्य योगदान करने की बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी आज पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की 100वीं जयंती पर मध्य प्रदेश को देंगे कई सौगात

देश की पहली केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार, 25 दिसंबर को मध्य प्रदेश के प्रवास पर रहेंगे। वे यहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत-रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर मध्य प्रदेश को कई सौगात देंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस अवसर पर खजुराहो में देश की पहली महत्वाकांक्षी और बहुउद्देशीय केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास करेंगे। साथ ही देश की पहली ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण और 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की स्मृति में स्टॉम्प और सिक्का भी जारी करेंगे। देश को नदी जोड़ो की परिकल्पना देने वाले युगदृष्टा स्व. वाजपेयी की जयंती पर यह मध्य प्रदेश के लिए एक बड़ी सौगात होगी। जनसम्पर्क अधिकारी पंकज मित्तल ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दोपहर 12:10 बजे खजुराहो आएंगे और दोपहर 2:20 बजे दिल्ली के लिये रवाना होंगे। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

सिंचाई के साथ पेयजल की सुविधा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस परियोजना के शिलान्यास के साथ ही स्व. वाजपेयी का नदी जोड़ो का सपना मध्य प्रदेश में मूर्त रूप लेगा। केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना से मध्य प्रदेश के 10 जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और 44 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे।

ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना

प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश के खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में स्थापित फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण करेंगे। परियोजना के प्रथम चरण में इस वर्ष अक्टूबर माह से पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो गया है। परियोजना के द्वितीय चरण की 240 मेगावॉट क्षमता के लिये एमपीपीएसीए से आवश्यक सहमति उपरांत चयनित विकासक 'सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड' से अनुबंध हस्ताक्षरित किया जाना प्रस्तावित है।

अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन

प्रधानमंत्री मोदी मध्य प्रदेश में 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि-पूजन कर प्रथम किश्त का वितरण भी करेंगे। प्रदेश की 23 हजार ग्राम पंचायतों में से भवन विहीन, जीर्ण-शीर्ण भवन और अनुपयोगी 2500 ग्राम पंचायतों को नवीन भवन की स्वीकृति के लिये चिन्हित किया गया है। प्रारंभिक चरण में 1153 नवीन पंचायत भवनों के लिये 437.62 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किये गये हैं।

अटल जी देश-समाज बनाने के लिए करते थे राजनीति : राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे तब अटल जी संसद में नेता प्रतिपक्ष थे। उस समय संयुक्त राष्ट्र संघ के फोरम पर जेनेवा में भारत का पक्ष प्रस्तुत करना था, तब नरसिम्हा राव ने कहा कि यह कार्य प्रभावी ढंग से केवल अटल जी ही कर सकते हैं। अटल जी जेनेवा गए। अटल जी का व्यक्तित्व विलक्षण था। यह ऐसे लोग होते हैं, जो राजनीति कुछ प्राप्त करने, कद ऊंचा करने के लिए नहीं बल्कि देश-समाज बनाने के लिए करते थे। रक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंगलवार को दिलकुशा लॉन, कैंटोमेंट लखनऊ में 'अटल स्वास्थ्य मेला' का शुभारंभ किया।

राजनाथ सिंह ने अटल जी से जुड़े संस्मरण भी सुनाए।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि अटल जी ने प्रधानमंत्री रहते हुए स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक योजनाएं प्रारंभ कीं। मोदी जी भी उन्हीं के पदचिह्नों पर चल रहे हैं। देश में 40 करोड़ से अधिक लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है। इसके तहत अब 70 वर्ष से ऊपर हर किसी काा पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज होगा। जनऔषधि केंद्रों पर भी 50 से 80 फीसदी सस्ती दवाएं प्राप्त हो रही हैं। लोगों को इन केंद्रों की जानकारी देनी चाहिए। हमारी सरकार आने के बाद मोदी जी के नेतृत्व में 22 एम्स को स्वीकृति दी गई थी। इसमें 12 से अधिक एम्स बनकर तैयार हो गए, 4 पर कार्य चल रहा है। 2014 में देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब इनकी संख्या 780 हो गई है। एमबीबीएस की सीटें पहले 50 हजार थीं, अब 1.20 लाख पहुंच गई हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यूपी में भी योगी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार स्वास्थ्य कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश में तेज एंबुलेंस सेवा योगी जी ने प्रारंभ की। त्वरित उपचार व हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में योगी जी के कार्यों की जितनी भी सराहना की जाए, वह कम है। योगी सरकार ने मेडिकल कॉलेज की संख्या व सीटों में वृद्धि का नया रिकॉर्ड कायम किया है। अलग-अलग चरणों में केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य सरकार द्वारा 2017 में 27 मेडिकल कॉलेज बनने शुरू हुए हैं। 14 मेडिकल कॉलेज काम करने लगे हैं। 13 में काम चल रहा है, यह जल्द ही जनता के लिए उपलब्ध हो जाएगा। यह सब योगी जी के नेतृत्व वाली सरकार के विजन के मुताबिक हो रहा है। आने वाले समय में यूपी के हर जनपद में मेडिकल कॉलेज होगा।

अटल जी के व्यक्तित्व से प्रभावित रहा विश्व

रक्षा मंत्री ने कहा कि कल अटल जी की आयु के 100वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। पूरे देश में जन्मशताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। दुनिया के कई देशों में रहने वाले भारतीय भी अपने देश में अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष को मना रहे हैं। पूरा विश्व-देश उनके कृतित्व व व्यक्तित्व से प्रभावित रहा, लेकिन लखनऊ वाले अपेक्षाकृत अधिक परिचित हैं।

ईडी ने दाऊद के भाई कासकर से जुड़े फ्लैट को अपने कब्जे में लिया

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर ने रंगदारी में लिए ठाणे स्थित एक फ्लैट को मंगलवार को अपने कब्जे में ले लिया है। ईडी ने यह फ्लैट मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कुर्क किया था। इस फ्लैट की कीमत 55 लाख आंकी गई है। सूत्रों के अनुसार ठाणे पुलिस ने इकबाल कासकर को एक बिल्डर से रंगदारी वसूलने के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी की टीम ने इस मामले की जांच मनी लॉड्रिंग एंगल से शुरू की थी। इस मामले में जांच में पता चला कि इकबाल कासकर ने रंगदारी के रूप में बिल्डर से ठाणे में नियोपोलिस बिल्डिंग में स्थित 55 लाख रुपये मूल्य के एक फ्लैट लिया गया था, जो इकबाल कासकर के करीबी सहयोगी मुमताज एजाज शेख के नाम पर है। संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया हाल ही में पूरी हुई है और अब ईडी ने कथित फ्लैट को अपने कब्जे में ले लिया है।

5वें वित्त आयोग ने ग्रामीण विकास के लिए जारी की धनराशि

उप्र को 1599 करोड़ रुपये और आंध्र को 446 करोड़ रुपये दिए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग (15वें वित्त आयोग) अनुदान के तहत धनराशि जारी की है। 15वें वित्त आयोग ने ग्रामीण विकास के लिए उत्तर प्रदेश को 1598.80 करोड़ रुपये और आंध्र प्रदेश को 446.49 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है।

पंचायती राज मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उत्तर प्रदेश को कुल 1,598.80 करोड़ रुपये की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त जारी की है। मंत्रालय के मुताबिक यह धनराशि राज्य की सभी पात्र 75 जिला पंचायतों, सभी पात्र 826 ब्लॉक पंचायतों और सभी पात्र 57691 ग्राम पंचायतों के लिए है।

मंत्रालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश को वित्त वर्ष 2024-25 की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त 420.9989 करोड़ रुपये के साथ-साथ असंबद्ध अनुदान की पहली किस्त की धनराशि 25.4898 करोड़ रुपये भी जारी की गई है। इसी तरह आंध्र प्रदेश को कुल 446.49 करोड़ रुपये की ये धनराशि राज्य की 13097 विधिवत निर्वाचित ग्राम पंचायतों, 650 विधिवत निर्वाचित ब्लॉक पंचायतों और सभी 13 पात्र जिला पंचायतों के लिए आवंटित की गई है।

उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय द्वारा अनुशंसित अनुदान सालाना दो किस्तों में जारी किए जाते हैं। इनका उद्देश्य संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में उल्लिखित 29 विषयों के तहत स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करना है, जो जमीनी स्तर पर शासन और ग्रामीण विकास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गुजरात की 'निर्भया' आखिरकार हार गई जिंदगी की जंग

भरूच की दुष्कर्म पीड़ित बच्ची ने एक हफ्ते तक लड़ी जिंदगी से जंग

एजेंसी

वडोदरा/अहमदाबाद। गुजरात के भरूच जिले के एक औद्योगिक क्षेत्र झघड़िया तहसील में दुष्कर्म पीड़ित 10 वर्षीय 'निर्भया' ने एक सप्ताह तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद सोमवार शाम 6.55 बजे दम तोड़ दिया। उसे गंभीर आंतरिक चोटें आई थीं।

वडोदरा के सर सयाजीराव जनरल अस्पताल (एसएसजीएच) के रेजीडेंट मेडिकल आफिसर (आरएमओ) डॉ. हितेंद्र चौहान ने बताया कि बच्ची को दोपहर करीब दो बजे दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर हो गई लेकिन शाम पांच बजे के बाद उसे फिर से दिल का दौरा पड़ा। उसे तुरंत उपचार दिया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। उन्होंने बताया कि बच्ची की हालत गंभीर आंतरिक चोट के चलते संक्रमण फैलने से हुई। इससे उसके अंगों ने काम करना बंद कर दिया और दिल का दौरा पड़ गया।

- **दिल का दौरा पड़ने के बाद तोड़ा दम**

सूत्रों के अनुसार बच्ची का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। झघड़िया तहसील पुलिस की टीम पोस्टमार्टम रूम पहुंची है। पैनल और फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम के बाद पीड़ित का शव परिवार को सौंप दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि भरूच जिले के झगड़िया जीआईडीसी में यह घटना 16 दिसंबर को हुई थी। बच्ची के माता-पिता किसी काम से घर से बाहर गए थे। इसी बीच बच्ची को अकेला पाकर आरोपित ने उसका अपहरण कर लिया। बाद में उसे एक सुनसान जगह पर ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित बच्ची का परिवार झारखंड के मूल निवासी हैं।

पाकिस्तान की सैन्य अदालत के फैसले पर अमेरिका-ब्रिटेन ने उठाया सवाल

इमरान समर्थक 25 प्रदर्शनकारियों को सुनाई है सजा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अरसे से सवालों के घेरे में रहे पाकिस्तान की सैन्य अदालत को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन ने एकबार फिर सवाल उठाया है। एकदिन पहले सोमवार को पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने इमरान खान के 25 समर्थकों को दो-दस साल की सजा सुनाई। इन्हें 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुए प्रदर्शनों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का आरोपी बनाया गया था।

पाकिस्तान की सैन्य अदालत के सोमवार के फैसले को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वाशिंगटन इसे लेकर बहुत चिंतित है कि 9 मई 2023 को विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए एक सैन्य कोर्ट ने पाकिस्तानी नागरिकों को सजा सुनाई है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि,

सैन्य अदालतों में नागरिकों पर मुकदमा चलाने में पारदर्शिता, स्वतंत्र जांच का अभाव है और यह निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को कमजोर करता है। इस फैसले पर यूरोपीय संघ का भी बयान सामने आया है। यूरोपीय संघ ने कहा कि ये सजाएं नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय अनुबंध के तहत पाकिस्तान की प्रतिबद्धताओं से मेल नहीं खातीं हैं।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद इमरान खान के समर्थक 9 मई 2023 को उनकी गिरफ्तारी को लेकर उग्र हो गए थे। गिरफ्तारी का तीखा विरोध करते हुए उनके समर्थकों ने कई सैन्य प्रतिष्ठानों व वाहनों को निशाना बनाया था। इमरान खान की रिहाई को लेकर उनके समर्थक लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद से इमरान खान को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है। इसके खिलाफ इमरान की पार्टी पीटीआई समर्थक लगातार प्रदर्शन करते रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

पीकेएल मेलबर्न रेड में वापसी करेंगे प्रो कबड्डी के लेजेंड अनूप कुमार, अजय ठाकुर, टीमों की हुई घोषणा

मेलबर्न। बहुप्रतीक्षित पीकेएल मेलबर्न रेड के साथ प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी के रोमांच को ऑस्ट्रेलिया ले जाकर इतिहास रचने के लिए तैयार है। यह इवेंट पीकेएल-11 के मेगा फाइनल से एक दिन पहले शनिवार, 28 दिसंबर, 2024 को प्रतिष्ठित जॉन कैन एरिना में आयोजित किया जाएगा। पीकेएल ऑल स्टार मावेरिक्स, पीकेएल ऑल स्टार मास्टर्स और प्रो कबड्डी ऑल स्टार्स ऐसी तीन टीमें होंगी, जिनमें पीकेएल के सर्वश्रेष्ठ भारतीय कबड्डी खिलाड़ी शामिल होंगे। साथ ही स्टार खिलाड़ियों से सजी ऑस्ट्रेलियाई टीम आसीज रेडर्स भी इस अनोखे इवेंट में वर्चस्व के लिए संघर्ष करेगी। अजय ठाकुर, परदीप नरवाल, अनूप कुमार, राकेश कुमार, मनिंदर सिंह, सचिन तंवर और अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के भाग लेने से फैंस खेल के रोमांच को सीमाओं से परे ले जाने वाले एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद कर सकते हैं।

जीएमआर स्पोर्ट्स ने रग्बी प्रीमियर लीग लॉन्च करने के लिए किया रग्बी इंडिया के साथ करार

नई दिल्ली। भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में अग्रणी, जीएमआर स्पोर्ट्स ने, रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) को लॉन्च करने के लिए रग्बी इंडिया के साथ ऐतिहासिक 10-वर्षीय रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। 2025 में पदार्पण के लिए तैयार, आरपीएल दुनिया की पहली फ्रेंचाइजी-आधारित रग्बी लीगों में से एक होगी, जिसमें छह शहर-आधारित टीमें शामिल होंगी। यह साझेदारी जीएमआर स्पोर्ट्स के लिए एक साहसिक कदम का प्रतीक है क्योंकि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे गतिशील खेलों में से एक रग्बी 7एस के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता की अपनी विरासत का विस्तार करती है। इस परिवर्तनकारी सहयोग पर जीएमआर स्पोर्ट्स के अध्यक्ष, किरण कुमार ग्रांधी ने कहा, जीएमआर स्पोर्ट्स में, हम ऐसे मंच बनाकर भारत में खेलों के भविष्य को आगे बढ़ाने में विश्वास करते हैं जो एथलीटों और प्रशंसकों को समान रूप से प्रेरित करते हैं। रग्बी प्रीमियर लीग सिर्फ लीग नहीं बल्कि- यह जमीनी स्तर पर विकास को बढ़ावा देते हुए भारत में विश्व स्तरीय रग्बी लाने का एक आंदोलन है।

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए आमिर जंगू वेस्टइंडीज की टीम में शामिल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे डेब्यू में शतक लगाने वाले आमिर जंगू को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। इस बीच, स्पिनर गुडाकेश मोती को भी मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की अपनी अंतिम सीरीज के लिए टीम में वापस बुलाया गया है। चोट से उबर रहे तेज गेंदबाज शमर जोसेफ बाहर हो गए हैं, जबकि अल्जारी जोसेफ चयन के कारण उपलब्ध नहीं थे। यह सीरीज 17 जनवरी, 2025 को शुरू होगी, जिसमें मुल्तान दोनों खेलों की मेजबानी करेगा। चुनी गई टीम को लेकर मुख्य कोच आंद्रे कोली ने कहा, जनवरी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए, हमने जो अच्छा प्रदर्शन किया है, उसे आगे बढ़ाने और 2024 से मिली सीख को ठोस नतीजों में बदलने पर ध्यान केंद्रित किया है। स्पिन अटैक को मजबूत करने के लिए मोती टीम में फिर से शामिल हुए हैं, जबकि जंगू का चयन क्षेत्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में उनकी निरंतरता के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनकी उच्च स्तर की क्षमता के आधार पर हुआ है।

ब्राजील के डिफेंडर एड्रिएलसन ल्योन लौटे

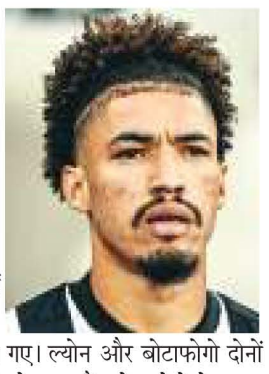

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के डिफेंडर एड्रिएलसन बोटाफोगो में चार महीने का ऋण अनुबंध पूरा करने के बाद ल्योन लौट आए हैं। ब्राजील के सेरी ए क्लब ने उक्त जानकारी दी। रियो डी जेनेरियो क्लब को छोड़कर ल्योन के लिए साइन करने के आठ महीने बाद एड्रिएलसन सितंबर में बोटाफोगो में शामिल हुए थे और अब फिर से अपने पुराने क्लब ल्योन वापस आ गए। ल्योन और बोटाफोगो दोनों के मालिक अमेरिकी व्यवसायी जॉन टेक्स्टर हैं। बोटाफोगो के साथ अपने नवीनतम कार्यकाल में, एड्रिएलसन ने 11 मैच खेले और क्लब को ब्राजीलियन सीरी ए खिताब के अलावा कोपा लिबटाडोरेस जीतने में मदद की। बोटाफोगो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आप एक मिशन पर एक व्यक्ति के रूप में बोटाफोगो में वापस आए और आपने अपना नाम हमारे इतिहास में दर्ज कर लिया।

रविचंद्रन अश्विन ने बताया धोनी की सफलता का राज, कहा- बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बतौर कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की सफलता का खुलासा करते हुए कहा कि उनकी सादगी और बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरे कप्तानों से अलग बनाता है। मैदान पर सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक माने जाने वाले धोनी ने भारत के लिए हर ट्रॉफी जीतने के बाद संन्यास ले लिया।

2007 में, धोनी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में एक युवा भारतीय टीम को टी20 विश्व कप चैंपियन बनाया। चार साल बाद, वह कपिल देव की अगुआई वाली 1983 विश्व कप विजेता टीम के बाद भारत को एकदिवसीय विश्व कप खिताब दिलाने वाले पहले कप्तान बने। 2013 में, जब भारतीय टीम के हालात बहुत खराब थे, तब धोनी ने बेहद शांतचित्त होकर भारतीय टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीताई।

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स में फिर से एक साथ आने की तैयारी कर रहे दोनों खिलाड़ियों के बीच, अश्विन ने इस

बात पर जोर दिया कि धोनी की सादगी और बुनियादी बातों पर टिके रहना उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। अश्विन ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पॉडकास्ट पर धोनी की कप्तानी के बारे में बात करते हुए कहा, इस सवाल का जवाब देना बहुत आसान है। मेरे हिसाब से, वह ज्यादातर बुनियादी चीजें सही करता है, और ज्यादातर दूसरे कप्तान बुनियादी बुनियादी चीजें भूल जाते हैं, जिससे खेल उनके लिए बहुत मुश्किल लगता है।

अश्विन ने एक उदाहरण देकर बताया कि धोनी ने किस तरह अपने गेंदबाजों को खुलकर खेलने की आजादी दी, लेकिन आत्मसंतुष्टि के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी।

अश्विन ने आगे कहा, उदाहरण के लिए, वह कभी भी गेंदबाज को गेंद नहीं देते थे। पहली बात जो वह कहते थे वह यह थी कि अपना क्षेत्र छोड़ो और मैदान पर गेंदबाजी करो। उन्हें इस बात से नफरत थी कि जब कोई बल्लेबाज बल्लेबाजी करने आता है और आप ढीली गेंद फेंकते हैं, तो वह मुझे गेंदबाजी से नहीं हटाते। अगर मैं एक ओवर में दो तीन बाउंड्री देता था, तो भी वह उत्साह बढ़ाते थे।

लोग बुनियादी बातों को भूल गए हैं : अश्विन

अश्विन ने कहा, अगर मैं किसी नए बल्लेबाज को कट या ड्राइव करने के लिए गेंद देता हूं, तो वह भड़क जाते थे। वह मुझे मेरी जगह का एहसास कराते थे और वह मुझे गेंदबाजी से हटा देते थे। यह क्रिकेट का एक बहुत ही बुनियादी सार है। पिछले कुछ वर्षों में, मुझे एहसास हुआ है कि लोग बुनियादी बातों को भूल गए हैं।आईपीएल 2023 में, जब धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को रिकॉर्ड पांचवां खिताब दिलाया, तो उन्होंने तेज गेंदबाजी की अगुआई करने के लिए तुषार देशपांडे का इस्तेमाल किया। 16 मैचों में, तुषार अपने नाम 21 विकेट लेकर कैश-रिच लीग में अग्रणी विकेट लेने वालों में से एक के रूप में उभरे। अश्विन ने धोनी की कप्तानी में देशपांडे की सफलता के पीछे छिपे सरल कारण को उजागर किया।उन्होंने कहा, खेल के कुछ पहलू ऐसे होते हैं जो बदलते नहीं हैं और एमएस धोनी इस मामले में इसे सरल रखते हैं। पिछले साल आईपीएल में वह तुषार देशपांडे को आगे लाए और उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाया। मुझे पता है कि एमएस धोनी ने उनसे क्या कहा होगा। उन्होंने उनसे कहा होगा कि बाउंड्री के लंबे हिस्से पर हिट करो और पिछले साल की तुलना में मुझे दो रन कम दो। इससे गेंदबाज को दो चीजें मिलती हैं। इससे दबाव कम होता है और इससे उसे लगता है कि मैं बहुत कम स्कोर दे सकता हूं। एक कप्तान के रूप में, धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिनमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ, वह सभी युगों में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने टीम इंडिया को आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाया।वह 2010-11 और 2012-13 की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में वाइटवॉश करने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं। एकदिवसीय प्रारूप में, जिसे धोनी का गढ़ माना जाता है, विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ने 200 मैचों में भारत का नेतृत्व किया। उनकी कप्तानी में, भारत 110 मैचों में विजयी रहा, 74 हारे और पांच ड्रॉ रहे, इस प्रकार 55 प्रतिशत जीत प्रतिशत रहा। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में धोनी ने 74 मैचों में भारत की कप्तानी की और 58.33 प्रतिशत जीत के साथ 41 मैचों में भारतीय टीम को जीत दिलाई।

ईशान मलिंगा श्रीलंकाई टीम में शामिल

कोलंबो। तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा के 2024 के शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के दौरे के लिए श्रीलंका की 17 सदस्यीय वनडे टीम में शामिल किया गया है।

मलिंगा के अलावा तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा और दिलशान मदुशंका को भी टीम में शामिल किया गया है। बल्लेबाजी में सदीरा समरविक्रमा को बाहर कर-के नुवानीडु फर्नांडो को टीम में शामिल किया गया है।

मलिंगा ने 2022 में घरेलू क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 12 लिस्ट ए खेलों में 25.15 की औसत से 20 विकेट लिए हैं। वह पहली बार 2019 में राष्ट्रीय स्तर पर तेज गेंदबाजी प्रतियोगिता जीतने के बाद चर्चा में आए थे, जहां उन्होंने 141 किमी प्रति घंटे की गति से गेंद फेंकी थी।

मलिंगा 2024 में भी आगे बढ़ते रहेंगे, और अपनी तेज गति में और अधिक स्थिरता और नियंत्रण जोड़ेंगे।

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आगामी आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। निकी प्रसाद को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि सानिका चालके उपकप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट 18 जनवरी, 2025 से 02 फरवरी, 2025 तक मलेशिया में खेला जाएगा। निकी की कप्तानी में भारत ने बांग्लादेश हराकर अभी हाल ही समाप्त हुए अंडर-19 महिला एशिया कप का खिताब जीता था। अंडर-19 विश्व कप में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4

समूह में बांटा गया है, प्रत्येक समूह में 4 टीमें शामिल हैं। भारत, जो गत चैंपियन है, को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ रखा गया है। कुआलालंपुर का बायुमास ओवल भारतीय टीम के ग्रुप स्टेज मैचों की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम अपना अभियान 19 जनवरी, 2025 को वेस्ट इंडीज के खिलाफ शुरू करेगी। ग्रुप स्टेज मुकाबलों के समापन के बाद, प्रत्येक ग्रुप से तीन टीमें सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप 1 में ग्रुप ए और ग्रुप डी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी जबकि ग्रुप 2 में ग्रुप बी और ग्रुप सी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी।

इस प्रकार है टीम

निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके (उप-कप्तान), जी त्रिशा, कमलिनी जी (विकेटकीपर), भाविका अहिरे (विकेटकीपर), ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशीता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस।

मेलबर्न में एक मजबूत प्रदर्शन करने के लिए हम उत्सुक: शर्मा

एजेंसी

मेलबर्न। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि वे वर्तमान में केवल आगामी टेस्ट मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और मेलबर्न में एक मजबूत प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं।

प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित ने कहा कि हमने चल रही बीजीटी सीरीज के पर्थ टेस्ट में वास्तव में बहुत अच्छी क्रिकेट खेली।

रोहित ने कहा, हमने वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेला, हम भाग्यशाली भी रहे, जब हमने पर्थ में पहला टेस्ट मैच जीता, जब आप 150 रन पर आउट हो जाते हैं, तो आपको लगता है कि आप थोड़ा दबाव में हैं, और फिर लड़कों का रवैया, जिस तरह से

उन्होंने वापसी की और ऑस्ट्रेलिया को 100 रन पर आउट कर दिया, उससे पता चलता है कि एक ऐसा रवैया है जहां कोई भी टेस्ट मैच के आखिरी दिन या टेस्ट मैच का आखिरी ओवर फेंके जाने तक हार नहीं मानना चाहता है, और यही रवैया हम लंबे समय से अपनाते आ रहे हैं, जब आप विदेश दौरे पर जाते हैं, तो आपको पता होता है कि आपको अतिरिक्त प्रयास करना होगा, टीम के भीतर वह अतिरिक्त रवैया होना चाहिए, और यही कुछ ऐसा है जो हमने उस टेस्ट मैच में दिखाया।

उन्होंने कहा कि एडिलेड टेस्ट में टीम इंडिया खेल में थोड़ी पीछे थी और अच्छा नहीं खेली। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, दोनों पक्षों ने मौजूदा बीजीटी सीरीज में मजबूत क्रिकेट का प्रदर्शन किया है। और फिर जाहिर है कि एडिलेड में, हम खेल में थोड़े पीछे थे, हमने अच्छा नहीं खेला, जिसे मैंने स्वीकार किया। और फिर ब्रिस्बेन में बहुत कुछ नहीं था, केवल 180 या 190 ओवर फेंके गए थे, इसलिए तीन टेस्ट मैचों के बाद, अगर मुझे इसे एक-एक करके देखना है, तो यह इस बात का एक उचित प्रतिबिंब है कि दोनों टीमों ने कैसे खेला है।

आईसीसी महिला टी20 और वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान के करीब पहुंचीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के बीच इस समय तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज भी खेली गई थी, जिसे भारतीय टीम ने 2-1 से अपने नाम किया था। भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसका फायदा उन्हें आईसीसी रैंकिंग में हुआ है। मंधाना वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 और वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान के करीब पहुंच गई हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में

रेणुका सिंह शीर्ष 20 में पहुंचीं : गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही वनडे श्रृंखला के पहले मैच में 29 रन देकर पांच विकेट लेकर मैच विजयी प्रदर्शन करने के बाद वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में 20वें पायदान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज किम गार्थ दो मैचों में तीन विकेट लेने के बाद चार पायदान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि न्यूजीलैंड की लेग स्पिनर अमेलिया केर (एक पायदान ऊपर 11वें स्थान पर) और ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग (दो पायदान ऊपर 12वें स्थान पर) अन्य प्रमुख लाभार्थी हैं।

बाएं हाथ की खिलाड़ी मंधाना दोनों प्रारूपों में दूसरे स्थान पर हैं।

एनाबेल सदरलैंड को हुआ लाभ

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में मैच जीतने के प्रयासों से उन्हें आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में तेजी से लाभ हुआ है। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरे और तीसरे वनडे में प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद तीनों सूचियों में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ स्थिति हासिल की है। पहला मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच जीत लिया था। इसके बाद दो मैचों में नाबाद 105 और 42 रन की पारी की बदौलत वह वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 11 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

व्यापार

उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान में बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

निवेशकों को 43 हजार करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार के कारोबार की शुरूआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के आधे घंटे बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण जोरदार तेजी का रुख बना। इसके बाद दोपहर 11 बजे के पहले ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की रफ्तार धीमी पड़ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज पूरे दिन के कारोबार के बाद ऑटोमोबाइल, ऑयल एंड गैस, हेल्थकेयर और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर आईटी, पीएसयू

बैंक और मेटल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, कंज्यूमर ड्यूरेबल और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ मंगलवार के कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद घट कर 441.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार के कारोबार से करीब 43 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

मंगलवार दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,092 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,976 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,022 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए।

बाल कलाकार कविश खुंगर ने क्रिसमस पर दिया एक खास संदेश

मुंबई । क्रिसमस की बेल और लाइट्स के साथ चारो तरफ जश्न का माहौल छाया हुआ है ऐसे में शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' का सेट भी इस रंगबिरंगे माहौल में खूबसूरत नजर आ रहा है। शो में कान्हा का किरदार निभाने वाले बाल कलाकार कविश खुंगर भी इस जादुई समय को लेकर बेहद उत्साहित हैं। अपनी मासूमियत और चुलबुले अंदाज से वे हर जगह प्यार और जादू का रंग बिखेर रहे हैं।

कविश खुंगर ने क्रिसमस के लिए अपनी खास तैयारियों और सेंटा क्लॉज से अपनी इच्छाओं को लेकर अपनी ख्वाहिशे साझा करते हुए कविश ने कहा, मुझे चॉकलेट्स, आइसक्रीम और खिलौने बहुत पसंद हैं। इस साल, मैं एक मैजिक शो देखना चाहता हूं, जहां जादूगर अपनी छड़ी घुमाकर सब कुछ असली बना दे।

मुझे मैजिक शो बहुत पसंद हैं, इसलिए मैं सेंटा से उसकी टिकट मांगने वाला हूं। इसके अलावा, मैं अपने पसंदीदा रोबोट गेम भी मागूंगा जो मेरी लिस्ट में सबसे ऊपर है। ये मेरे क्रिसमस को और भी खास बना देगा!

कविश ने यह भी बताया कि वह सेंटा क्लॉज को उनके गिफ्ट्स के बदले कैसे सरप्राइज देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपनी मम्मी से गुलाब जामुन बनाने के लिए कहा है, क्योंकि मुझे लगता है कि सेंटा को ये बहुत पसंद आएंगे।

प्रह्लाद जोशी ने उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रमुख पहल की शुरूआत की

उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एआई उपकरण, ई-कॉम सुरक्षा उपाय शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 2024 के अवसर पर कई उपभोक्ता-हितैषी पहलों का शुभारंभ किया। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम हेल्पलाइन और भ्रामक विपणन प्रथाओं का पता लगाने के लिए उपकरण शामिल हैं। इसके साथ ही प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने इस मौके पर ऑनलाइन शॉपिंग सुरक्षा बढ़ाने का संकल्प लिया।

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। इस

अवसर पर जागो ग्राहक जागो ऐप, जागृति ऐप और जागृति डैशबोर्ड, सभी सेवाओं के लिए ई-मैप पोर्टल, कानूनी माप विज्ञान सेवाएं, एआई-सक्षम एनसीएच 2.0 और स्मार्ट मानक लॉन्च किए गए।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखना और उन्हें मजबूत करना हमारे देश के विकास और प्रगति के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से हम उपभोक्ताओं को सशक्त बना रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि न्याय देशभर में हर नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने कहा कहा, उपभोक्ता विवादों के समाधान में तेजी लाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से नवंबर के बीच राष्ट्रीय आयोग में दर्ज 3,628 मामलों में से 6,587 मामलों का निपटारा जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर देश की त्रिस्तरीय उपभोक्ता अदालत प्रणाली के जरिए किया गया है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) छद्म विज्ञापन को विनियमित करने के लिए नए दिशा-निर्देशों का मसौदा तैयार कर रहा है।

बाबा साहब के नाम पर कांग्रेस कर रही है झूठ की राजनीति, राहुल गांधी देश से मांगे माफी: भजनलाल शर्मा

राहुल द्वारा सांसदों से धक्का-मुक्की बेहद ही शर्मनाक: भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को अपमानित करने और उनका मजाक उड़ाने का रहा है और आज यह पार्टी उनके नाम पर हक मांगने का ढोंग कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपने नेताओं और जवाहर लाल नेहरू द्वारा बाबा साहब डॉ. अंबेडकर के अपमान के लिए पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के कारण ही देश के पहले कानून मंत्री बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। यहां तक की बाबा साहब को इस्तीफे के बाद सदन में बोलने तक नहीं दिया गया।

कांग्रेस पार्टी को जवाब देना चाहिए कि उसने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के त्यागपत्र को जनता के सामने क्यों नहीं आने दिया? उन्होंने कहा कि नेहरू ने एडविना माउंटबेटन को भी पत्र लिखकर बाबा साहब अंबेडकर के कैबिनेट में न रहने की खुशी जाहिर की थी। ऐसी सोच वाली कांग्रेस पार्टी आज बाबा साहब के नाम पर झूठ की राजनीति कर रही है, जो बहुत ही शर्मनाक स्थिति है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर को 1952 के लोकसभा चुनाव और 1954 के उपचुनाव में हरवाया। इस पार्टी के शासन में उन्हें भारत रत्न तक नहीं दिया। देशभर में नेहरू, इंदिरा गांधी, संजय गांधी और राजीव गांधी के नाम पर सैकड़ों स्मारक, अस्पताल और सड़कों के नाम रख दिए गए मगर बाबा साहब का एक भी स्मारक नहीं बनने दिया।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने कभी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की बात नहीं की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को सत्ता लोलुप बताते हुए कहा कि यह पार्टी सत्ता के बिना नहीं रह सकती। कांग्रेसी नेताओं का प्रयास रहता है कि येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करे, फिर चाहे झूठ, धर्म या जातिवाद की राजनीति ही क्यों ना करनी पडे। जबकि वर्ष 2014 के बाद यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा नीत केन्द्र सरकार डॉ. अम्बेडकर, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के दिखाए अन्त्योदय और गरीब कल्याण के मार्ग पर चल रही है। भाजपा सरकारों के समय में ही देश में बाबा साहब की स्मृति में पंचतीर्थों का विकास किया गया। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी की सरकार आई, तो दिल्ली में अंबेडकर सेंटर बनकर तैयार हुआ। मोदी जी की सरकार ने लंदन में जहां बाबा साहब रहे थे, वहां उनकी एक स्मृति बनवाई, दिल्ली में उनके निवास स्थान पर स्मृति स्थापित की, नागपुर की दीक्षा भूमि और मुंबई की चैत्य भूमि में भी स्मृतियां बनाई। कांग्रेस लंबे समय तक शासन में रही, लेकिन उसने बाबा साहब को कभी सम्मान नहीं दिया, जबकि भाजपा समर्थित सरकार ने बाबा साहब को भारत रत्न देने का काम किया।
मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के एक बहुत ही छोटे से अंश को बिना किसी संदर्भ के प्रस्तुत कर, खुद के लिए राजनीति करने का बेहूदा प्रयास कर रही हैं मगर देश की जनता सब समझती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सांसदों से धक्का-मुक्की की, जो कि बहुत ही शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को शर्म करनी चाहिए और पंडित नेहरू व कांग्रेस के नेताओं द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के अपमान के लिए उन्हें बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

57 छात्राओं को बांटी साइकिल लाडो के चेहरे खिले

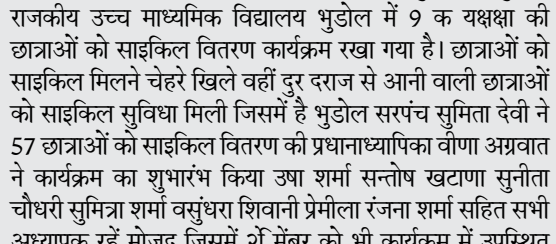

चमकता राजस्थान। रघुनंदन पारीक /श्रीनगर /अजमेर। अजमेर ग्रामीण पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भुडोल म/भुडोल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भुडोल में 9 क यक्षक्षा की छात्राओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम रखा गया है। छात्राओं को साइकिल मिलने चेहरे खिले वहीं दुर दराज से आनी वाली छात्राओं को साइकिल सुविधा मिली जिसमें है भुडोल सरपंच सुमिता देवी ने 57 छात्राओं को साइकिल वितरण की प्रधानाध्यापिका वीणा अग्रवात ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया उषा शर्मा सन्तोष खटाणा सुनीता चौधरी सुमित्रा शर्मा वसुंधरा शिवानी प्रेमीला रंजना शर्मा सहित सभी अध्यापक रहें मोजूद जिसमें र्शू मेंबर को भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे अजय सिंह सरपंच प्रतिनिधि ने सभी छात्राओं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी रामानंद प्रजापत बंटी कलोशिया योगेश नागर दयाशंकर उगम लाल हरी सिह सुरेन्द्र नाथ अजित योगी कालू गुर्जर मोटा सिह सहित कई ग्रामीण रहें मौके पर

आदेशों की अवमानना प्रकरण में गंगानगर आगार के मुख्य प्रबंधक को चार्जशीट

चमकता राजस्थान। जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक पुरूषोत्तम शर्मा ने श्रीगंगानगर आगार के मुख्य प्रबंधक धीरज सैन को मुख्यालय के आदेशों की अवहेलना के मामले में राजस्थान सिविल सेवा नियम 1958 के नियम 16 के तहत चार्जशीट जारी कर 15 दिवस के भीतर जवाब मांगा है। रोडवेज प्रबंध निदेशक ने धीरज सैन को एपीओ कर उन्हें मुख्यालय जयपुर में पदस्थापित किया है। उल्लेखनीय है कि धीरज सैन द्वारा श्रीगंगानगर आगार के निलंबित परिचालक मनोज कुमार को पूर्ण जांच बहाल कर अपने ही आगार में पदस्थापित किया गया था। जिसको रोडवेज प्रबंधन ने गंभीरता से लेते हुए धीरज सैन को कर्तव्यों के प्रति शीथिलता, बदनियति एवं उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के प्रति उत्तरदायी मानते हुए चार्जशीट दी है।

जगन सिंह किशनपुरा ने अपने सुपुत्र शिवम के बैंकिंग सेवा में नियुक्त होने पर स्थानीय विद्यालय में किए गर्म वस्त्र वितरण

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। पूर्व बसपा जिला प्रभारी एवं समाजसेवी जगन सिंह किशनपुरा एवं उनकी धर्म पत्नी ने अपने सुपुत्र शिवम कैन का बैंकिग सेवा में नियुक्त होने के उपलक्षय में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कृष्णा नगर किशनपुरा में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों को गर्म वस्त्र वितरण कर पुनीत कार्य किया। कार्यक्रम के दौरान राजकुमार पप्पा, देवेंद्र कुमार एडवोकेट, किशनपाल पार्षद, बच्चू सिंह उपवैध, दिनेश आठिया, पप्पू सिंह,पोखन सिंह, दौलत सिंह, विशाल सिंह, सज्जी,भीमा, सभी ग्रामबासी मौजूद रहे।प्राचार्य विमल कुमार ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया जगन सिंह द्वारा किए गए कार्य की सराहना की एवं सभी उपस्थित व्यक्तियों से सहयोग करने की अपील की । उपप्राचार्य सुनीता शर्मा द्वारा सभी का आभार प्रकट किया।

श्रीमद् भागवत कथा मोक्ष का द्वार खोलती है कथावाचक बृजवासी

चमकता राजस्थान

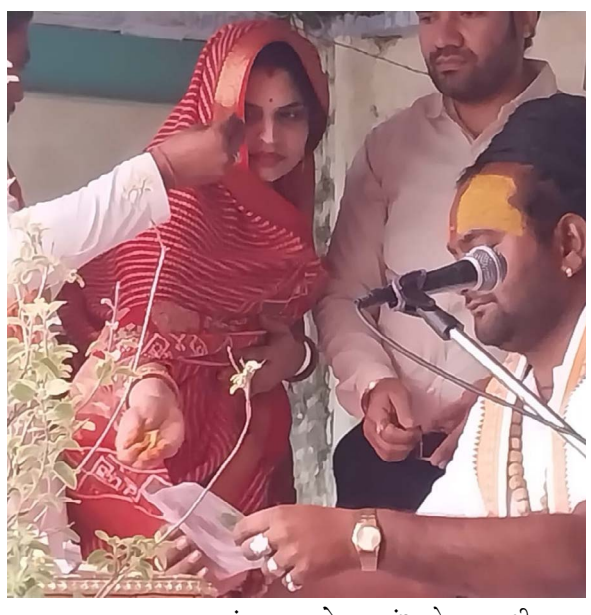

रघुनंदन पारीक। अजमेर/श्रीनगर माहेश्वरी भवन में आयोजित हो रही श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन कथा वाचक सुनील बृजवासी ने कहा कि सांसारिक विषयों का विस्मरण होने पर ही सच्चा आनंद प्रकट होता है। सांसारिक संबंध छूटने पर ही ब्रह्म संबंध जुड़ता है । यदि सांसारिक विषय में सच्चा आनंद होता तो यह सब कुछ छोड़कर निद्रा की इच्छा ही नहीं होती।श्रीमद् भागवत ग्रंथ मुक्ति दिलाने वाला ग्रंथ है। मुक्ति मन को मिलती है ।आत्मा को नहीं। आत्मा और परमात्मा एक है । कुछ आत्मा और परमात्मा को भिन्न मानते हैं। वे मानते हैं कि आत्मा अंश है और परमात्मा अंशी। जीव और ईश्वर एक है। यह जो भेद दिखाई देता है, वह अज्ञान के कारण दिखता है ।भेद औषाधिक है। मुक्ति उसे मिलती है जिसका मन मरता है। पूर्व जन्म का शरीर चाहे मर गया हो। किंतु पूर्व जन्म का मन लेकर जीवात्मा इस जन्म में आई है। कथावाचक सुनील बृजवासी ने कहा कि मन को प्रतिकूल बातों में से हटाकर अनुकूल विषयों से जोड़ दो। भागवत की कथा ज्ञान ,वैराग्य और कृष्ण प्रेम बढ़ाने वाली है। सुख और दुख का अनुभव मन को होता है आत्मा को नहीं। फिर भी आत्मा पर उसका आरोप किया जाता है। सोमवार को भागवत कथा के दौरान

भगवान कृष्ण का नामकरण संस्कार व बाल लीला, मां यशोदा का स्नेह पूरित वात्सल्य, श्री कृष्ण को मूसल से बांधा जाना ,यमलार्जुन उद्धार ,सुखिया मालिन की श्री कृष्ण सेवा, बकासुर ,अघासुर का उद्धार,धेनुकासुर,कालिया पर कृपा आदि प्रसंगों का रसास्वादन करवाया गया। इंद्र यज्ञ निवारण व गोवर्धन धारण के प्रसंग के दौरान श्रद्धालु महिलाओं ने गोबर के बने गोवर्धन की पूजा अर्चना कर पुण्य लाभ कमाया। माखन चोरी की लीला के वर्णन में श्रद्धालुगण भाव विभोर हो गए। श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन समिति के आचार्य पवन देव ने बताया कि मंगलवार को जरासंध से युद्ध ,श्री कृष्ण सुदामा चरित्र ,श्री कृष्ण द्वारा उद्धव जी को उपदेश, रुक्मणी हरण ,व कृष्ण रुक्मणी विवाह आदि प्रसंगों का वाचन किया जाएगा। भागवत कथा की पूर्णाहुति 26 दिसंबर को होगी। कथा के समापन पर श्रद्धालु महिलाओं ने भागवत जी की आरती उतार पूजा अर्चना की। गोबर के बनाए गए गोवर्धन के धूप दीप ,अगरबत्ती व दूध ,दही अन्न आदि अर्पित किए। फोटो कैप्शन श्रीनगर। भागवत कथा के दौरान भाव विभोर होकर कथा सुनती महिलाएं।2 गोवर्धन धारण प्रसंग के दौरान गोबर के बनाए गए गोवर्धन भगवान।

बसेड़ी में रोडवेज बस स्टैंड तथा आधार सेंटर खुलवाने साहित बिभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीम को सौपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। बसेड़ी: प्रशासन गांवों की ओर' अभियान चलाया कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत समिति परिसर बसेड़ी में उपखंड अधिकारी अनिल कुमार मीणा को बसेड़ी की जनसमस्यों को लेकर स्वयं सेवी संस्था शिव शिक्षा सेवा समिति ने ध्यानकर्षण ज्ञापन दिया। समिति के वित्त प्रभारी एवं प्रवक्ता सुधीर मित्तल ने ज्ञापन देते हुए उपखण्ड मुख्यालय बसेड़ी पर रोडवेज बस स्टैंड न होने पर जगनेर बाई पास मार्ग पर सडक पर खड़ी होकर सावरियों को बैठा रही है, रोडवेज बसे , जगनेर मार्ग पर दिन भर छोटे - बड़े बाहनों के निरंतर आवागमन के चलते दुर्घटनाओं का अंदेशा रहता है। बसेड़ी मे रोडवेज बस स्टैंड खुलवाने, बसेड़ी के कुण्डा में पार्क बनाने, बसेड़ी कस्बे में सदर थाना खुलवाने तथा नवीन थाने को कोतवाली में क्रमोन्नत करने, बसेड़ी में व्रत्ताधिकारी कार्यालय खुलवाने, बसेड़ी बाजार में उउळश कैमरे लगवाने, रामायण कालीन रामधा को सरंक्षित क्षेत्र घोषित कर सडक मार्ग का निर्माण करवाने, बसेड़ी हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पद हड्डी रोग, शिशु रोग, सर्जन आदि को भरवाने व बसेड़ी में सोनोग्राफी मशीन लगाने, बसेड़ी में पुराने थाने के पास बनी नरी का पानी जरा सी वारिश से सड़क पर आ जाता है, जिससे बसेड़ी का बागथर, भारली, रामस्नेही सहित दर्जनो गांवों का सम्पर्क कई कई दिनों तक बंद रहता है। इस मार्ग पर भी पुल निर्माण कराने, बसेड़ी बाज़ार में पानी निकासी की उचित व्यस्वस्था न होने के कारण नालियों का पानी सड़क पर बहता है, जिसका समाधान कराने सहित बसेड़ी में 5 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के आधार कार्ड बनाने के लिए आधार सेंटर खुलवाने की मांग की है। आधार सेंटर न होने पर लोगों को बाड़ी धौलपुर की दौड़ लगानी पड़ती है। साथ ही बसेड़ी से जगनेर होकर आगरा, ग्वालियर, करौली कैलादेवी, संभाग मुख्यालय भरतपुर के लिए कोई भी रोडवेज बस न होने की बात ज्ञापन मे कही गयी है।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म जयंती पर भाजपा देशभर में मनाएगी सुशासन दिवस: मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर सुशासन दिवस का प्रदेश स्तरी कार्यक्रम 25 को, भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ और सीएम भजनलाल शर्मा करेंगे शुभारंभ

चमकता राजस्थान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से 25 दिसंबर को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर देशभर में ''सुशासन दिवस'' मनाया जाएगा। ''सुशासन दिवस'' के सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। सुशासन दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुधवार को सुबह 11 बजे राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि सुशासन दिवस के अवसर पर प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें बूथ स्तर पर अटल स्मृति सभाओं का आयोजन, कविताओं का वाचन, बूथ के युवाओं द्वारा वाजपेयी के योगदान पर चर्चा की जाएगी। वहीं मंडल स्तर पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सुशासन यात्रा निकाली जाएगी और चौपाल लगाकर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद जिला स्तर पर अटल जी के जीवन और उनके योगदान से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। अटल जन्म शताब्दी के लिए ''लोगो प्रतियोगिता'' का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें चयनित ''लोगो'' को अभियान में शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही अटल जी की सरकार द्वारा पोखरण-2 का परीक्षण, कारगिल विजय दिवस, एनडीए की स्थापना, किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना जैसी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा की जाएगी।
भाजपा प्रदेश कार्यालय में सुशासन दिवस के सफल आयोजन को लेकर आयोजित बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व सांसद नारायण पंचारिया, प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, प्रदेश मंत्री अजीत मांढण, पिंकेश पोरवाल, भूपेंद्र सैनी, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चंपालाल गेदर, एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नारायण मीणा, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद मेवाती, सह कोषाध्यक्ष अनिल सिसोदिया, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत सहित भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929